Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-19, अंक-02 16-31 जनवरी, 2024 (पाक्षिक) ₹20

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर

प्रधानमंत्री का अयोध्या, उत्तर प्रदेश दौरा

“अयोध्या से ‘विकसित भारत’ अभियान को नई ऊर्जा मिल रही है”

पंचकूला (हरियाणा) में 06 जनवरी, 2024 को एक भव्य रोड शो के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर और अन्य नेतागण

सोलन (हिमाचल प्रदेश) में 05 जनवरी, 2024 को एक विशाल रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में 31 दिसंबर, 2023 को महिला हाफ मैराथन दौड़ के अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह और अन्य नेतागण

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में 26 दिसंबर, 2023 को 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर गुरुद्वारा बारा सिख संगत में प्रार्थना करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

हैदराबाद में 28 दिसंबर, 2023 को तेलंगाना प्रदेश भाजपा मंडल अध्यक्ष बैठक के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

सूरत (गुजरात) में 30 दिसंबर, 2023 को भारत के बहादुर जवानों के परिवारों के समर्थन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 22 जनवरी को आप सभी अपने घरों में श्री राम ज्योति जलाएं: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उत्तर प्रदेश स्थित आध्यात्मिक नगरी अयोध्या धाम पहुंचने पर महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे से निकलने के बाद श्री मोदी एक रोड शो में शामिल हुए, इस दौरान...

12 आगामी चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरे समर्पण के साथ काम करें: जगत प्रकाश नड्डा

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की...

14 जनता कह रही है 'तीसरी बार-मोदी सरकार'—'तीसरी बार-मनोहर सरकार'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 6 जनवरी, 2024...

16 उल्फा के साथ शांति समझौते पर हुए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 दिसंबर को कहा कि उल्फा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर से असम में स्थायी प्रगति का...

25 प्रधानमंत्री ने क्रिसमस के अवसर पर ईसाई समुदाय के साथ की बातचीत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने क्रिसमस के अवसर पर 25 दिसंबर को भारत के प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 7...

श्रद्धांजलि

कैप्टन को श्रद्धांजलि! / **नरेन्द्र मोदी**	22
हृदयनाथ सिंह नहीं रहे	24
भाजपा नेता सुरजीत दत्ता का निधन	24

लेख

स्वामी विवेकानंद जी के सपनों को साकार करती मोदी सरकार / **शिव प्रकाश**	28
युवा पीढ़ी के सामर्थ्य का संदेश देता है 'वीर बाल दिवस' / **तरुण चुघ**	29

अन्य

स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक 'आईएनएस इंफाल' नौसेना में शामिल	18
सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल-दिसंबर के दौरान 12 प्रतिशत बढ़कर 14.97 लाख करोड़ रुपए हुआ	18
इसरो ने एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह का किया सफल प्रक्षेपण	19
मोदी स्टोरी	20
हमारी यात्रा प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भारत को आगे ले जाने की है: जगत प्रकाश नड्डा	21
कमल पुष्प	23
'वीर बाल दिवस' भारतीयता की रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने के संकल्प का प्रतीक है: नरेन्द्र मोदी	27
मन की बात	31
प्रधानमंत्री का तमिलनाडु, लक्षद्वीप और केरल दौरा	32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

भगवान श्री राम की नगरी में हो रहे चौतरफा विकास कार्यों से श्रद्धालुओं का अयोध्या धाम आना और राम लला के दर्शन करना बहुत आसान हो जाएगा।

(30 दिसंबर, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

झूठ बोलकर, लोगों को धोखे में रखकर राजनीति नहीं चलती। लोगों के साथ जुड़ना पड़ता है, उनकी सेवा करनी पड़ती है और यह काम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बखूबी किया है।

(5 जनवरी, 2024)

अमित शाह

किसानों की आय बढ़ाने के लिए मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय निरंतर संकल्पित है। आज NCCF और NAFED के द्वारा विकसित वेब-पोर्टल का लोकार्पण किया। तूर (अरहर) दाल का उत्पादन करने वाले किसानों की फसल को MSP पर खरीदने व त्वरित भुगतान के लिए बने इन पोर्टल से दलहन किसानों के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव होने वाला है और किसानों का दलहन की खेती की ओर झुकाव बढ़ने वाला है।

(4 जनवरी, 2024)

राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट की बैठक में बिहार में गंगा नदी पर दीघा और सोनपुर को जोड़ने वाले एक नये छह लेन के पुल के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस पुल के निर्माण से न केवल कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि इलाक़े में रोज़गार के अवसर भी बढ़ेंगे। इस जन हितकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्रीजी को धन्यवाद! (27 दिसंबर, 2023)

बी.एल. संतोष

तिरुचिरापल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का मंत्रमुग्ध कर देने वाला दृश्य, जिसका आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन किया गया है। हर कदम के साथ एक सभ्यता अपनी महिमा को पुनःस्थापित कर रही है।

(02 जनवरी, 2024)

सुधा यादव

आदित्य एल-1 के अपने गंतव्य स्थल एल-1 प्वाइंट पर सफलतापूर्वक पहुंचने पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के वैज्ञानिकों और देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सतत मार्गदर्शन एवं इसरो के वैज्ञानिकों ने अपनी प्रतिभा से अनंत अंतरिक्ष के क्षेत्र में इतिहास रच दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर हम सभी को गर्व है।

(6 जनवरी, 2024)

संपादकीय

सांस्कृतिक उत्थान व विकास साथ-साथ

आज जब विश्वभर के करोड़ों रामभक्त पूरे देश के साथ अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस पवित्र धाम को कई परियोजनाओं का उपहार देकर इसे विश्व के सर्वाधिक उत्कृष्ट तीर्थस्थलों में से एक बनाने का संकल्प लिया है। जहां महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, जो अपने आप में हर तरह से साधन संपन्न है, वर्ष में दस लाख से अधिक यात्रियों को आवागमन की सुविधा देने की क्षमता रखता है, वहीं पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन, नई अमृत भारत ट्रेनों एवं वंदेभारत ट्रेनों से प्रतिदिन दस हजार से अधिक लोग यात्रा कर सकेंगे। भगवान रामलला की जन्मस्थली, अयोध्या धाम, जिसके लिए भक्तगण के हृदय में अगाध श्रद्धा का भाव है, आज एक अत्यंत आधुनिक तीर्थस्थल के रूप में विकसित हो रहा है, जो प्राचीन विरासत का गौरवशाली प्रतीक तो है ही, साथ ही सबसे स्वच्छ तीर्थस्थलों में से एक होगा। यह भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का एक गौरवशाली प्रतीक बनकर उभर रहा है। साथ ही, यह भारतीय संस्कृति की अजेय जिजीविषा, सदियों का संघर्ष तथा जन-जन का 'सत्यमेव जयते' के मंत्र पर अटूट आस्था के प्रतीक के रूप में भी उभरा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा से 'अमृतकाल' में 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने के संकल्प को एक नई प्रेरणा मिल रही है। यही नहीं, 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के आह्वान से जन-जन को एक नई ऊर्जा एवं चेतना मिल रही है। यह एक ऐतिहासिक क्षण है जब स्वप्न साकार हो रहे हैं और करोड़ों मन में अपार उत्साह की तरंगे हिलोरे ले रही हैं। लगता है पूरा राष्ट्र अपने उज्ज्वल एवं समृद्ध भविष्य की गौरवमयी यात्रा पर चल पड़ा है।

> **भगवान रामलला की जन्मस्थली, अयोध्या धाम, जिसके लिए भक्तगण के हृदय में अनंत श्रद्धा भाव है, आज एक अत्यंत आधुनिक तीर्थस्थल के रूप में विकसित हो रहा है**

26 दिसंबर, 2023 को पूरे राष्ट्र ने साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के बलिदान दिवस को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया। ध्यान देने योग्य है कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 'प्रकाश पर्व' के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की थी कि हर वर्ष 26 दिसंबर को पूरा देश 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाएगा। गुरु गोविंद सिंह जी के पुत्रों का 9 एवं 6 वर्ष की बाल अवस्था में देश के स्वाभिमान की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान से पूरे राष्ट्र को प्रेरणा मिलती है। वीर साहिबजादों का साहस एवं संकल्पशक्ति, जिसके बल पर उन्होंने क्रूरता एवं अन्याय का सामना किया, युवाओं की आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। किसी भी राष्ट्र का भविष्य एवं उसकी नियति का निर्धारण उसकी युवाशक्ति की क्षमता एवं संभावनाओं पर निर्भर करता है। ऐसे में 'वीर बाल दिवस' की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। जहां पूरे देश में विभिन्न स्थानों पर 'वीर बाल दिवस' पर कार्यक्रम हुए, वहीं प्रधानंत्री श्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में वीर साहिबजादों के साथ-साथ बाल्यकाल में भी अपने कृतित्व से राष्ट्र को प्रेरणा देने वाले नचिकेता, अभिमन्यु, ध्रुव, मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त, एकलव्य, खुदीराम बोस, कनकलता बरूआ, रानी गाईदिनल्यू, बाजी राउत जैसे महानायकों का उद्धरण दिया एवं कहा कि आने वाली पीढ़ियां इनसे निरंतर प्रेरित होती रहेंगी।

जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं ऊर्जावान नेतृत्व में भारत एक नए आत्मविश्वास एवं आशा के साथ आगे बढ़ रहा है, वहीं देश के गौरवपूर्ण राष्ट्रीय विरासत के पुनरुद्धार एवं उन्हें पुनर्विकसित करने के कार्य से पूरे देश में एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि कोई भी राष्ट्र अपने प्राचीन विरासत से प्रेरणा लेता है और इसके सांस्कृतिक केंद्र इसकी प्राणवायु के समान होते हैं। 'अमृतकाल' में देश का लक्ष्य औपनिवेशिक दासता के सभी चिह्नों को मिटाने तथा अपने गौरवपूर्ण विरासत को पुनर्जागृत करने के संकल्प से अभिमंत्रित है। राष्ट्र की जड़ों को सींचे बिना न तो इसे सुदृढ़ किया जा सकता है न ही 'विकसित भारत' के संकल्प को सिद्ध किया जा सकता है। जहां भव्य श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से निकलने वाली ऊर्जा से राष्ट्र को और अधिक गति एवं शक्ति मिल रही है, वहीं 'वीर बाल दिवस' से देश के युवा अदम्य साहस एवं बलिदान की प्रेरणा पा रहे हैं। इन मूल्यों एवं सिद्धांतों के आधार पर ही आने वाली पीढ़ियां राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में अपने बहुमूल्य योगदान देगी एवं अपने कर्तव्यों का पालन के प्रति सन्नद्ध रहेंगी। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदीजी का भव्य स्वागत

22 जनवरी को आप सभी अपने घरों में श्री राम ज्योति जलाएं: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने 15,700 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 30 दिसंबर, 2023 को उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक व पवित्र नगरी अयोध्या धाम पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। वहां पर श्री मोदी ने 15,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें अयोध्या और उसके आसपास के क्षेत्रों की 11,100 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं और पूरे उत्तर प्रदेश में अन्य परियोजनाओं से संबंधित लगभग 4600 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया और नई अमृत भारत ट्रेनों और वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कई अन्य रेलवे परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। इसके बाद श्री मोदी ने नवनिर्मित अयोध्या हवाई अड्डे का भी उद्घाटन किया। इस हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा गया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उत्तर प्रदेश स्थित आध्यात्मिक नगरी अयोध्या धाम पहुंचने पर महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे से निकलने के बाद श्री मोदी एक रोड शो में शामिल हुए, इस दौरान अयोध्या के लोगों ने उनका पूरे दिल से स्वागत किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने पिछले साल दीपोत्सव पर राम की इस मनोहर व पवित्र नगरी का दौरा किया था।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और श्री वीके सिंह, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। भव्य रोड शो के बाद प्रधानमंत्री ने अयोध्या में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या धाम आने

पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपने रोड शो के दौरान इस पवित्र शहर में व्याप्त उत्साह और उमंग का उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतज़ार कर रही है। ऐसे में अयोध्यावासियों में ये उत्साह, ये उमंग बहुत स्वाभाविक है। भारत की मिट्टी के कण-कण और भारत के जन-जन का मैं पुजारी हूं और मैं भी आपकी तरह उतना ही उत्सुक हूं।

प्रधानमंत्री ने 30 दिसंबर के महत्व को रेखांकित किया, क्योंकि इसी दिन 1943 में अंडमान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तिरंगा फहराया था। उन्होंने कहा, "आज़ादी के आंदोलन से जुड़े ऐसे पावन दिवस पर आज हम आजादी के अमृतकाल के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं।" श्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण को गति देने के अभियान को अयोध्या नगरी से नई ऊर्जा मिल रही है और उन्होंने विकास परियोजनाओं के लिए अयोध्यावासियों को बधाई दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये परियोजनाएं अयोध्या को देश के नक्शे पर फिर से गौरव के साथ स्थापित करेंगी।

विरासत संभालने पर जोर

प्रधानमंत्री ने विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए अपनी विरासत को संभालने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है।" अपनी बात को विस्तार से समझाते हुए श्री मोदी ने राम लला के भव्य मंदिर की तुलना 4 करोड़ गरीब नागरिकों के लिए पक्के घरों के साथ; तीर्थ स्थलों को संवारने की तुलना डिजिटल इंडिया में हो रही प्रगति के साथ; काशी विश्वनाथ धाम के पुनर्निर्माण की तुलना 30,000 से अधिक पंचायत भवनों; केदार धाम के पुनरुद्धार की तुलना 315 से अधिक मेडिकल कॉलेजों के साथ; महाकाल महालोक के निर्माण की तुलना 'हर घर जल' के साथ; चांद, सूरज और समुद्र की गहराइयों को नापने की तुलना पौराणिक मूर्तियों को भी रिकॉर्ड संख्या में विदेश से वापस लाने के साथ की।

उन्होंने आगामी प्राण प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज यहां प्रगति का उत्सव है, कुछ दिनों के बाद परंपरा का उत्सव भी होगा, आज यहां विकास की भव्यता दिख रही है, तो कुछ दिनों बाद यहां विरासत की भव्यता और दिव्यता दिखने वाली है। विकास और विरासत की यही साझा ताकत भारत को 21वीं सदी में सबसे आगे ले जाएगी। स्वयं महर्षि वाल्मिकी द्वारा वर्णित अयोध्या की प्राचीन महिमा का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्रीजी ने उसी पुरातन पहचान को आधुनिकता से जोड़कर वापस लाने की इच्छा दोहराई।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "अयोध्या नगरी, अवध क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे यूपी के विकास को ये हमारी अयोध्या दिशा देने वाली है।"उन्होंने भव्य मंदिर बनने के बाद यहां तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की अनुमानित वृद्धि की ओर इशारा करते हुए कहा कि मांग को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने 'महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा' अयोध्या धाम का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 दिसंबर को नवनिर्मित अयोध्या हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा गया है।

- अत्याधुनिक हवाई अड्डे का पहला चरण 1450 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार किया गया है। हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल 6500 वर्गमीटर होगा, जहां से सालाना लगभग 10 लाख यात्रियों की आवाजाही के लिए सुविधाएं होंगी।
- टर्मिनल बिल्डिंग का आगे का हिस्सा अयोध्या में बन रहे श्री राम मंदिर की मंदिर वास्तुकला को दर्शाता है। टर्मिनल बिल्डिंग के अंदरूनी हिस्सों को भगवान श्री राम के जीवन को दर्शाने वाली स्थानीय कला, पेंटिंग और भित्तिचित्रों से सजाया गया है।
- अयोध्या हवाई अड्डे का टर्मिनल भवन विभिन्न स्थिर सुविधाओं जैसेकि इन्सुलेटेड छत व्यवस्था, एलईडी प्रकाश व्यवस्था, वर्षा जल संचयन, फव्वारे के साथ पेड-पौधे और फूल, जल उपचार संयंत्र, सीवेज उपचार संयंत्र, सौर ऊर्जा संयंत्र और ऐसी कई अन्य सुविधाओं से सुसज्जित है जो गृह-5 स्टार रेटिंग के लिए प्रदान की गई हैं।
- हवाई अड्डे से क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिससे पर्यटन, व्यावसायिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री 'उज्ज्वला गैस कनेक्शन' की 10 करोड़वीं लाभार्थी से मिले

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उज्ज्वला गैस कनेक्शन की 10 करोड़वीं लाभार्थी के घर जाने का अपना अनुभव भी बताया। उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि 1 मई, 2016 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में शुरू की गई 'उज्ज्वला योजना' ने बहुत सी महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई है और उनकी जिंदगी बदल डाली है। श्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 10 करोड़ मुफ्त कनेक्शन सहित 18 करोड़ गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, जबकि उससे पहले 50-55 वर्षों में केवल 14 करोड़ गैस कनेक्शन प्रदान किए गए थे।

प्रधानमंत्री ने पूरी ताकत से लोगों की सेवा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, "आजकल कुछ लोग मुझसे पूछते हैं कि मोदी की गारंटी में इतनी ताकत क्यों है। मोदी की गारंटी में इतनी ताकत इसलिए है क्योंकि मोदी जो कहता है, वो करने के लिए जीवन खपा देता है। मोदी की गारंटी पर आज देश को इसलिए भरोसा है...क्योंकि मोदी जो गारंटी देता है, उसे पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर देता है। ये अयोध्या नगरी भी तो इसकी साक्षी है और मैं आज अयोध्या के लोगों को फिर से विश्वास दूंगा कि इस पवित्र धाम के विकास में हम कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे।"

अयोध्या हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मिकी के नाम पर

प्रधानमंत्री ने अयोध्या हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मिकी के नाम पर रखे जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण वो ज्ञान मार्ग है, जो हमें प्रभु श्रीराम से जोड़ती है। आधुनिक भारत में महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा हमें अयोध्या धाम और दिव्य-भव्य नव्य राम मंदिर से जोड़ेगा। पहले चरण में इस हवाई अड्डे में हर साल 10 लाख यात्रियों की सेवा करने की क्षमता है और दूसरे चरण के बाद महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा हर साल 60 लाख यात्रियों को सेवाएं प्रदान करेगा।

उन्होंने बताया कि अभी अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर 10 हजार लोगों की सेवा करने की क्षमता है। विकास होने के बाद यहां पर 60 हजार लोग आ-जा सकेंगे। इसी तरह, उन्होंने बताया कि राम पथ, भक्ति पथ, धर्म पथ और श्री राम जन्मभूमि पथ के साथ कार पार्किंग, नए मेडिकल कॉलेज, सरयू जी के प्रदूषण को रोकना, राम की पैड़ी को नया रूप देना, घाटों का विकास, प्राचीन कुंडों का पुनरुद्धार, लता मंगेशकर चौक अयोध्या को नई पहचान दे रहे हैं और पवित्र शहर में आय और रोजगार के नए रास्ते बना रहे हैं।

ट्रेन शृंखला 'अमृत भारत'

प्रधानमंत्री ने वंदे भारत और नमो भारत के बाद नई ट्रेन शृंखला 'अमृत भारत' ट्रेनों के बारे में जानकारी देते हुए इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पहली अमृत भारत ट्रेन अयोध्या से होकर जा रही है। उन्होंने उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के लोगों को आज ये ट्रेनें मिलने पर बधाई दी। श्री मोदी ने आधुनिक अमृत भारत ट्रेनों में निहित गरीबों की सेवा की भावना पर प्रकाश डाला। "जो लोग अपने काम के कारण अक्सर लंबी दूरी का सफर करते हैं, जिनकी उतनी आमदनी नहीं है, वे भी आधुनिक सुविधाओं और आरामदायक सफर के हकदार हैं। इन ट्रेनों को गरीबों के जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।"

प्रधानमंत्री ने विकास और विरासत को जोड़ने में वंदे भारत ट्रेनों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। श्री मोदी ने कहा, "देश की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन काशी से चली थी। आज देश के 34 मार्गों पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं। वंदे भारत काशी, कटरा, उज्जैन, पुष्कर, तिरुपति, शिरडी, अमृतसर, मदुरै, आस्था के ऐसे हर बड़े केंद्रों को जोड़ रही है। इसी कड़ी में आज अयोध्या को भी वंदे भारत ट्रेन का उपहार मिला है।"

प्रधानमंत्री ने देश के सभी हिस्सों में 'यात्राओं' की प्राचीन परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि अयोध्या धाम में सृजित की जा रही सुविधाएं भक्तों की इस धाम की यात्रा को और अधिक आरामदायक बनाएंगी। श्री मोदी ने सभी 140 करोड़ भारतीयों से श्री राम ज्योति जलाने को कहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, "ये ऐतिहासिक क्षण, बहुत भाग्य से हम सभी के जीवन में आया है। हमें देश के लिए नव संकल्प लेना है, खुद को नई ऊर्जा से भरना है।"

प्राण प्रतिष्ठा में उपस्थित रहने की सभी की इच्छा को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने सभी से यह भी अनुरोध किया कि

पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 दिसंबर को पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया और नई अमृत भारत ट्रेनों और वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कई अन्य रेल परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं।

पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का पहला चरण - जिसे अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन के नाम से जाना जाता है - 240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। तीन मंजिला आधुनिक रेलवे स्टेशन की इमारत लिफ्ट, एस्केलेटर, फूड प्लाजा, पूजा-अर्चना की सामग्री की दुकानों, क्लॉक रूम, चाइल्ड केयर रूम, वेटिंग हॉल जैसी सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। स्टेशन भवन 'सभी के लिए सुलभ' और 'आईजीबीसी प्रमाणित ग्रीन स्टेशन भवन' होगा।

दो नई 'अमृत भारत' ट्रेनों को हरी झंडी

अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन के कार्यक्रम में श्री मोदी ने देश में सुपरफास्ट यात्री ट्रेनों की एक नई श्रेणी 'अमृत भारत एक्सप्रेस' का शुभारंभ किया। अमृत भारत ट्रेन गैर वातानुकूलित डिब्बों वाली एक एलएचबी पुश पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इस ट्रेन के दोनों छोरों पर इंजन लगे हैं। यह रेल यात्रियों के लिए सुंदर और आकर्षक डिजाइन वाली सीटें, बेहतर सामान रैक, उपयुक्त मोबाइल होल्डर के साथ मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, एलईडी लाइट, सीसीटीवी, सार्वजनिक सूचना प्रणाली जैसी बेहतर सुविधाएं प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री ने दो नई अमृत भारत ट्रेनों अर्थात दरभंगा-अयोध्या-आनंद विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस और मालदा टाउन-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनस (बेंगलुरु) अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री ने अमृत ट्रेनों की प्रारंभिक यात्रा में मौजूद स्कूली बच्चों से बातचीत की।

छह नई वंदे भारत ट्रेनों का शुभारंभ

श्री मोदी ने छह नई वंदे भारत ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई। इनमें श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस; अमृतसर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस; कोयंबटूर-बैंगलोर कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस; मैंगलोर-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस; जालना-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस और अयोध्या-आनंद विहार टर्मिनल वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में रेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 2300 करोड़ रुपये की तीन रेलवे परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। इन परियोजनाओं में रूमा चकेरी-चंदेरी तीसरी लाइन परियोजना; जौनपुर-तुलसी नगर, अकबरपुर-अयोध्या, सोहावल-पटरंगा और सफदरगंज-रसौली खंड और मल्हौर-डालीगंज रेलवे खंड का दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना शामिल हैं।

वे 22 जनवरी के कार्यक्रम के बाद ही अपनी अयोध्या यात्रा की योजना बनाएं, क्योंकि यह सुरक्षा और व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से 23 जनवरी के बाद अपनी यात्रा की योजना बनाने को कहा। श्री मोदी ने अनुरोध किया, "हमने 550 साल तक इंतजार किया है, कुछ दिन और इंतजार कीजिए।"

सभी तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता अभियान

भविष्य में असंख्य आगंतुकों के लिए अयोध्या के लोगों को तैयार करते हुए प्रधानमंत्री ने स्वच्छता रखने पर एक बार फिर से जोर दिया और उनसे अयोध्या को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लिए कहा। श्री मोदी ने भारतवासियों से आह्वान किया, "भव्य राम मंदिर के निर्माण के निमित्त 14 जनवरी, मकर संक्रांति

के दिन से पूरे देश के सभी तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता का बहुत बड़ा अभियान चलाया जाना चाहिए।"

परियोजना का विवरण

अयोध्या में नागरिक अवसंरचना में सुधार

आसन्न श्री राम मंदिर तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ने अयोध्या में चार नव विकसित, चौड़ी और सजी हुई सड़कों— रामपथ, भक्तिपथ, धर्मपथ और श्री राम जन्मभूमि पथ का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया जो बुनियादी नागरिक सुविधाओं को मजबूती प्रदान करेगी तथा अयोध्या और उसके आसपास के सार्वजनिक स्थानों को सुंदर बनाएगी। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, उनमें राजर्षि दशरथ स्वायत्त राज्य चिकित्सा महाविद्यालय; अयोध्या-सुल्तानपुर रोड-हवाई अड्डे को जोड़ने वाली चार-लेन वाली सड़क; एनएच-27 बाईपास महोबरा बाजार होते हुए टेढ़ी बाजार श्री राम जन्मभूमि तक चार-लेन वाली सड़क; शहर भर में कई सुंदर सड़कें और अयोध्या बाईपास; एनएच -330ए का जगदीशपुर-फ़ैज़ाबाद खंड; महोली-बड़ागांव-ड्योढ़ी मार्ग और जसरपुर-भाऊपुर-गंगारामन-सुरेशनगर मार्ग का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण; पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी बुआ रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी; ग्राम पिखरौली में ठोस अपशिष्ट उपचार संयंत्र और डॉ. ब्रजकिशोर होम्योपैथिक कॉलेज और अस्पताल में नई इमारतें और कक्षाएं आदि शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना कार्य और पांच पार्किंग और वाणिज्यिक सुविधाओं से संबंधित कार्यों का भी उद्घाटन किया।

अयोध्या में नई परियोजनाओं का शिलान्यास

प्रधानमंत्री ने नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जो अयोध्या में नागरिक सुविधाओं के सुधार में मदद करने के साथ ही साथ शहर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूती प्रदान करेंगी। इनमें अयोध्या में चार ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों का संरक्षण और सौंदर्यीकरण; गुप्तार घाट और राजघाट के बीच नए कंक्रीट घाट और पूर्व-निर्मित घाटों का पुनर्वास; नया घाट से लक्ष्मण घाट तक पर्यटक सुविधाओं का विकास एवं सौन्दर्यीकरण; राम की पैड़ी पर दीपोत्सव और अन्य मेलों के लिए आगंतुक गैलरी का निर्माण; राम की पैड़ी से राजघाट और राजघाट से राम मंदिर तक तीर्थ पथ का सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण शामिल है।

श्री मोदी ने अयोध्या में 2180 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित होने वाली ग्रीनफील्ड टाउनशिप और लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होने वाली वशिष्ठ कुंज आवासीय योजना की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री ने एनएच-28 (नया एनएच-27) लखनऊ-अयोध्या खंड; मौजूदा अयोध्या बाईपास एनएच-28 (नया एनएच-27) के सुदृढ़ीकरण और परिवर्तन; अयोध्या में सीआईपीईटी केन्द्र की स्थापना तथा नगर निगम अयोध्या एवं अयोध्या विकास प्राधिकरण कार्यालय के निर्माण कार्य की आधारशिला भी रखी।

समूचे उत्तर प्रदेश में अन्य परियोजनाएं

सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने समूचे उत्तर प्रदेश की अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया और राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें गोसाईं की बाजार बाईपास-वाराणसी (घाघरा ब्रिज-वाराणसी) (एनएच-233) का चार-लेन चौड़ीकरण; एनएच-730 के खुटार से लखीमपुर खंड का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन; अमेठी जिले के त्रिशुंडी में एलपीजी संयंत्र की क्षमता वृद्धि; पंखा में 30 एमएलडी और जाजमऊ, कानपुर में 130 एमएलडी का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट; उन्नाव जिले में नालियों को ठीक करना और मोड़ना तथा सीवेज उपचार कार्य और कानपुर के जाजमऊ में टेनरी क्लस्टर के लिए सीईटीपी शामिल है।

मुख्य बातें

- अयोध्या और उसके आसपास के क्षेत्र 11,100 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं से लाभान्वित होंगे
- पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतज़ार कर रही है; मैं भी आपकी तरह ही उत्सुक हूं
- विकसित भारत के अभियान को अयोध्या से नई ऊर्जा मिल रही है
- आज का भारत पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है
- केवल अवध क्षेत्र ही नहीं, बल्कि अयोध्या पूरे उत्तर प्रदेश के विकास को नई दिशा देगी
- महर्षि वाल्मिकी द्वारा रचित रामायण वह ज्ञान मार्ग है, जो हमें प्रभु श्री राम से जोड़ता है
- गरीबों की सेवा की भावना आधुनिक अमृत भारत ट्रेनों के मूल में निहित है
- 22 जनवरी को आप सभी अपने घरों में श्री राम ज्योति जलाएं
- सुरक्षा और व्यवस्था के कारणों से 22 जनवरी का कार्यक्रम संपन्न होने के बाद ही अपनी अयोध्या यात्रा की योजना बनाएं
- भव्य राम मंदिर के निर्माण के निमित्त 14 जनवरी, मकर संक्रांति के दिन से पूरे देश के सभी तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता का बहुत बड़ा अभियान चलाया जाना चाहिए
- आज देश को मोदी की गारंटी पर भरोसा इसलिए है क्योंकि मोदी जो गारंटी देता है उसे पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर देता है, ये अयोध्या नगरी भी तो इसकी साक्षी है ■

अभिनंदन समारोह, सोलन एवं शिमला (हिमाचल प्रदेश)

मोदी की गारंटी यानी गारंटी पक्की होने की गारंटी : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 5 जनवरी, 2022 को सोलन में पुराने डी.सी. ऑफिस (चिल्ड्रन पार्क) से पुराने बस अड्डा तक एक भव्य रोड शो किया। इसके पश्चात उन्होंने सोलन और पीटरहॉफ, शिमला में आयोजित अभिनंदन समारोहों को संबोधित करते हुए हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार की कटिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री अविनाश राय खन्ना, सह-प्रभारी श्री संजय टंडन, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री राजीव बिंदल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि यह अभिनंदन उस विचारधारा का है, जिसके लिए हमारी चार पीढ़ियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया और कमल के लिए अपना पूरा जीवन आहुति में दे दिया। उन्होंने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की जीत की चर्चा करते हुए कहा कि तेलंगाना में भी भाजपा का वोट प्रतिशत 7 प्रतिशत से बढ़कर 14 प्रतिशत पर पहुंच गया, मिजोरम में भाजपा विधायकों की संख्या दोगुनी हुई। तीन राज्यों में चुनाव से पहले मीडिया के कुछ लोग भाजपा की हार की आस लगाए बैठे थे। कांग्रेस ने हिमाचल में जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया। इससे जनता को यह समझ आया कि कांग्रेस झूठी राजनीति करती है। जनता को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो उनसे जुड़े, उनकी सेवा करें और उनकी तस्वीर बदले। यह काम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है और यह मोदी की गारंटी है जो गारंटी पक्की होने की गारंटी है।

श्री नड्डा ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया है, ये सिर्फ झूठे वादे करने वाली सरकार है। कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए सभी वादे अधूरे हैं, जिनमें महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए, निःशुल्क बिजली, बेरोजगारों को एक लाख नौकरियां, पांच लाख रोजगार के अवसर, 100 रुपए प्रति लीटर दूध की खरीद और गोबर की खरीद जैसे कई वादे शामिल हैं। ये बैक गियर की सरकार है जिसने भाजपा की श्री जयराम ठाकुर द्वारा खोले 900 शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया है। कांग्रेस सरकार की सच्चाई उजागर कर उन्होंने जनता के अहसास कराया कि पिछले चुनावों में कांग्रेस को सत्ता में काबिज करना एक बड़ी गलती थी, जिसका नतीजा अब प्रदेश की जनता भुगत रही है। ■

आगामी चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरे समर्पण के साथ काम करें: जगत प्रकाश नड्डा

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की रणनीति तैयार करने और पार्टी संगठन को सक्रिय करने के लिए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 26 दिसंबर, 2023 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में प्रदेश भाजपा नेतृत्व के साथ विभिन्न बैठकें कीं। अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान दोनों नेताओं ने 2024 के चुनावों के लिए बंगाल में 35 सीटें हासिल करने का लक्ष्य रखा। इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश और केंद्रीय भाजपा नेताओं की एक कोर समिति के साथ बैठक की।

श्री नड्डा और श्री शाह ने नेशनल लाइब्रेरी में आईटी और सोशल मीडिया टीमों के साथ भी बैठक की। दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया टीमों से कहा कि वे राष्ट्रवाद और देश के प्रति प्रेम जैसे मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने उनसे प्रदेश की तृणमूल कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार, 'परिवारवाद', तुष्टीकरण की राजनीति और बेरोजगारी पर ध्यान केंद्रित करने को भी कहा।

बैठक में लगभग 1,500 से अधिक सोशल मीडिया कार्यकर्ता उपस्थित थे। इससे पहले, श्री नड्डा और श्री शाह ने 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर कोलकाता के जोरासांको में गुरुद्वारा बारा सिख संगत में प्रार्थना की। रणनीति बैठक से पहले उन्होंने कोलकाता के कालीघाट मंदिर में पूजा भी की।

कोलकाता में आईटी और सोशल मीडिया टीम की बैठक को संबोधित करते हुए श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "हमारे सोशल मीडिया कार्यकर्ता हमारी विचारधारा और कार्यों को लोगों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, साथ ही हमारे खिलाफ फैलाए गए झूठ का मुकाबला भी करते हैं।"

"बंगाल में टीएमसी के भ्रष्टाचार और केंद्र सरकार के विकास कार्यों में उनके द्वारा पैदा की जा रही बाधा के बारे में लोगों को जागरूक करने की भी उन पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुझे विश्वास है कि हमारे सोशल मीडिया कार्यकर्ता आगामी चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरे समर्पण के साथ काम करेंगे।"

उन्होंने कहा कि बंगाल में कार्यकर्ताओं ने सबसे बड़ा बलिदान दिया है और शहादत भी दी है। यहां हमारा एक भी विधायक नहीं था,

लेकिन अब बंगाल में हमारे 77 और 18 लोकसभा सदस्य हैं। अगर हम 0 से 77 सीटें हासिल कर सकते हैं तो दो-तिहाई बहुमत से भी सरकार बना सकते हैं।

मैं गारंटी देता हूं कि मोदीजी 'सोनार बांग्ला' बनाएंगे: अमित शाह

नेशनल लाइब्रेरी में पश्चिम बंगाल भाजपा सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आग्रह किया कि कार्यकर्ता आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहें। उन्होंने दोहराया कि 2024 के चुनाव में भाजपा पश्चिम बंगाल में 35 से अधिक सीटें जीतेगी।

श्री शाह ने कहा, "2019 के आम चुनाव में भाजपा ने लक्ष्य रखा और 18 सीटें हासिल कीं। इस बार भाजपा आगामी चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है।"

उन्होंने कहा "पश्चिम बंगाल में भाजपा की चुनावी सफलता उसकी सोशल मीडिया ताकत पर निर्भर है। ऐसा इसलिए है क्योंकि क्षेत्रीय मीडिया दीदी के डर से हमारा संदेश नहीं प्रसारित करता है।"

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमि से 35 सीटें देने का आग्रह करते हुए कहा, "मैं गारंटी देता हूं कि मोदी जी सोनार बांग्ला (स्वर्णिम बंगाल) बनाएंगे।"

श्री शाह ने कहा कि जब सुश्री बनर्जी ने बंगाल में कम्युनिस्टों को सत्ता से बाहर किया, तो लोग खुश थे और उन्हें उम्मीद थी कि प्रदेश में स्थितियां बेहतर होंगी। "लेकिन इसके बदले उन्होंने जो दिया वह उससे भी बदतर था... पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनाने का मतलब घुसपैठ, गौ तस्करी का अंत और सीएए के माध्यम से धार्मिक रूप से सताए गए लोगों को नागरिकता देना होगा।" ■

भाजपा ही तेलंगाना का भविष्य है: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 28 दिसंबर, 2023 को हैदराबाद में मंडल अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बीआरएस एक डूबा हुआ जहाज है और कांग्रेस एक डूबता हुआ जहाज है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही तेलंगाना का भविष्य है।

एक ट्वीट में उन्होंने कहा, "भाजपा तेलंगाना इकाई के मंडल अध्यक्षों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। बूथ और मंडल हमारी शक्ति के स्तंभ हैं जो हमारी पार्टी और सरकार को हर नागरिक के दरवाजे तक ले जाते हैं। बैठक में तेलंगाना के मंडल अध्यक्षों ने जमीनी स्तर पर पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया।

बैठक में उन्होंने कहा, "आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। भाजपा को राज्य के भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। आपको यह सुनिश्चित करना है कि आगामी लोकसभा में कम से कम यहां की 10 सीटों पर कमल खिले।"

श्री शाह ने ऐतिहासिक चारमीनार के पास भाग्यलक्ष्मी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की और कहा, "जय मां भाग्यलक्ष्मी!" हैदराबाद के भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा करने का सौभाग्य मिला। प्रत्येक नागरिक की खुशहाली और समृद्धि के लिए मां लक्ष्मी से प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि भाजपा धीरे-धीरे तेलंगाना में अपनी पैठ बना रही है। इस साल की शुरुआत में पार्टी ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम चुनाव में जीत हासिल की थी। विधानसभा चुनाव में उसने अपना वोट शेयर दोगुना कर 14 फीसदी कर लिया और 8 सीटें जीतीं।

बैठक के बाद भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद श्री के. लक्ष्मण ने कहा कि श्री अमित शाह ने तेलंगाना में अगले लोकसभा चुनावों में 35 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 10 से अधिक सीटें जीतने के लिए तेलंगाना भाजपा के लिए एक कार्य-योजना बनाई। पार्टी ने 2019 में 17 लोकसभा सीटों में से चार पर जीत हासिल की थी। ■

जनता कह रही है 'तीसरी बार- मोदी सरकार'– 'तीसरी बार-मनोहर सरकार'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 6 जनवरी, 2024 को हरियाणा के पंचकुला में एक भव्य रोड शो किया। यह रोड शो पंचकुला में सेक्टर 02 स्थित रेड बिशप चौक रोड से बेला विस्टा चौक तक निकाला गया। रोड शो में जनता का उत्साह देखते ही बनता था। रोड शो के दौरान लोगों ने श्री नड्डा को जय श्रीराम, जय श्रीराम! करके अभिनंदन किया। लोग रोड शो के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय श्रीराम-जय श्रीराम के जयकारे लगते रहे। रोड शो में श्री नड्डा के साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, भाजपा हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष श्री नायब सैनी, पार्टी प्रभारी श्री बिप्लब देव सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं हजारों कार्यकर्ता शामिल थे।

श्री नड्डा ने कहा कि यह अभिनंदन मेरा नहीं है, बल्कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की जनता का अभिनंदन है, भारतीय जनता पार्टी के विचारधारा का अभिनंदन है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूलमंत्र लेकर भारतीय राजनैतिक संस्कृति में एक बड़ा बदलाव कर देश को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाया है और आगे बढ़ा रहे हैं, जिस पर देश की जनता निरंतर मुहर लगा रही है।

उन्होंने श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की विकास यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि यहां जनता पूरे उत्साह एवं ऊर्जा के साथ स्पष्ट रूप से कह रही है कि 'तीसरी बार, मोदी सरकार' और हरियाणा की जनता यह भी कह रही है कि 'तीसरी बार मनोहर सरकार।' ये दोनों बातें एक ही विचार से जुड़ी हुई है, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास के लिए खुद को समर्पित कर दिया है और वैश्विक पटल पर भारत को विशिष्ट पहचान दिलाया है। वहीं 'डबल इंजन' की सरकार के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने हरियाणा के विकास में तीव्र गति प्रदान किया है।

भारतीय जनता पार्टी के विचारधारा को लेकर विश्व पटल पर भारत की पहचान बनने पर ख़ुशी जाहिर करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना पूरा जीवन भाजपा की विचारधारा को समर्पित कर दिया है। भाजपा के विचारधारा में अंत्योदय, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, देश की सुरक्षा एवं सम्मान के साथ ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज देश एवं दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। इससे न सिर्फ हम गर्व एवं ख़ुशी महसूस करते हैं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोग गौरवान्वित हैं।

कांग्रेस की 'फूट डालो-राज करो' की राजनीति पर तीखा प्रहार करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय राजनीतिक संस्कृति ही बदल डाला है। इससे पहले देश की राजनीतिक संस्कृति में जाति-पाति, अगड़ा-पिछड़ा पहाड़ी-मैदानी इलाके आदि को आधार बनाकर देश को बांटने की राजनीति की जाती थी। आजादी के बाद लंबे समय तक लोगों को आपस में लड़ाकर बांटने की राजनीति चलती रही। धर्म से धर्म को लड़ाकर और लोगों को लोगों से लड़ाकर वोट-बैंक की राजनीति की गयी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय राजनीति में एक नया राजनीतिक संदेश दिया—सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। इस मूल मंत्र को लेकर प्रधानमंत्रीजी ने गरीबों, वंचितों, महिलाओं, युवाओं एवं किसानों को सशक्त करने के साथ ही देश के विकास को नयी ऊंचाई पर पहुंचाया है और वे निरंतर इस मूलमंत्र को लेकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक नई पहचान दिलाने का जिक्र करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दस सालों में जहां गरीबों, वंचितों, महिलाओं, युवाओं एवं किसानों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक रूप से सशक्त किया है, वहीं तकनीकी एवं आर्थिक विकास में देश को मजबूती प्रदान किया है। उन्होंने पिछले 10 सालों में भारत को मजबूत किया है, जो भारत में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का दुनिया में डंका बजा है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया का कोई बड़ा नेता नहीं है और न ही ऐसा देश है, जिसने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की तारीफ न की हो। चीन के एक अखबार में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ में लिखे आलेख में कहा गया है कि पहले भारत वैश्विक परिदृश्य में संतुलन बनाए रखने के लिए काम करता था और आज भारत अपने हितों को ध्यान में रखकर नीति निर्धारण करता है और उसे कार्यान्वित करता है।

उन्होंने देश के विकास के साथ ही अंत्योदय को केंद्रित कर आगे बढ़ने की बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं, किन्तु वे इस दौरान उन्होंने गरीब, वंचित एवं कमजोर वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को केंद्रित कर नई नीतियां और योजनाएं बनाना और उसे जमीन पर उतारना नहीं भूले। इससे विकास को एक नई गति मिली। मोदी सरकार की नीतियों एवं योजनाओं की तारीफ न सिर्फ देश, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी प्रशंसा कर रही है और उनके कार्यां पर मुहर लगा रही है। इंटरनेशनल मॉनिटरिंग फंड आईएमएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 13.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से उपर उठ चुके हैं। भारत में अति गरीबी एक प्रतिशत से भी कम रह गयी है। ये आंकड़े सिर्फ गरीबी खत्म होने के आंकड़े नहीं है, बल्कि देश के विकास में नई ऊर्जा का संचरण प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों एवं योजनाओं के कारण भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है, जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था भी बन जायेगी। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने हरियाणा में मोदी सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को हू-ब-हू लागू किया है, जिससे प्रदेश का विकास तेज गति से हो रहा है।

श्री नड्डा ने जनकल्याणकारी योजनाओं से हरियाणा के लोगों को लाभान्वित करनेवाली 'डबल इंजन' की सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा की मनोहर लाल खट्टर सरकार प्रदेश के हर व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ देने का हरसंभव प्रयास कर रही है। आज हरियाणा में गरीबों को फ्री केरोसिन मिल रहा है। परिवार पहचान पत्र योजना ने हरियाणा की व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन कर दिया है। इस योजना की वजह से लोगों को सरकारी योजनाओं के लिए सरकारी कार्यालय का चक्कर काटने नहीं पड़ते हैं। हरियाणा सरकार आज लोगों के द्वार पर पहुंचकर योजनाओं का लाभ दे रही है। श्री नड्डा ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि भाजपा कार्यकर्ता भी जरूरतमंद लोगों तक सरकारी योजनाओं को पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ें। ■

'कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा चंडीगढ़ इकाई के पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की एक सभा को संबोधित किया और इसके पश्चात् उन्होंने पंचकूला में पार्टी की हरियाणा इकाई के नवनियुक्त जिला अध्यक्षों से भेंट की।

पंचकूला में चंडीगढ़ इकाई को संबोधित करते हुए श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं। श्री नड्डा ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के चंडीगढ़ के साथ विशेष लगाव पर प्रकाश डालते हुए श्री नड्डा ने कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की और प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई विकास पहलों को आगे बढ़ाने हेतु उनसे आह्वान किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की सामाजिक न्याय पहल की वैश्विक मान्यता को रेखांकित किया। उन्होंने आर्थिक मोर्चे एवं इस्पात उत्पादन, ऑटोमोबाइल उद्योग, फार्मास्युटिकल क्षेत्र, पेट्रोकेमिकल्स, सड़क नेटवर्क, रेलवे और जलमार्ग सहित अन्य मोर्चों पर देश की तेज प्रगति पर भी प्रकाश डाला। ■

अटलजी की जयंती (25 दिसंबर)

नई दिल्ली में 25 दिसंबर, 2023 को 'सदैव अटल' पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

उल्फा के साथ शांति समझौते पर हुए हस्ताक्षर

आज असम के लिए एक सुनहरा दिन: अमित शाह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 दिसंबर को कहा कि उल्फा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर से असम में स्थायी प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने पोस्ट कर यह जानकारी दी कि भारत सरकार और असम सरकार ने राज्य के सबसे पुराने विद्रोही समूह उल्फा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। विद्रोही समूह ने हिंसा का मार्ग त्यागने, सभी हथियार एवं गोला-बारूद सौंपने, विधि द्वारा स्थापित शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने और देश की अखंडता को बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की है।

प्रधानमंत्री ने जवाब में एक्स पर पोस्ट किया, "आज का दिन शांति और विकास की दिशा में असम की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह समझौता असम में स्थायी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा। मैं इस ऐतिहासिक उपलब्धि में शामिल सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करता हूं। साथ मिलकर हम सब एकता, विकास और सभी के लिए समृद्धि के भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं।"

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में भारत सरकार, असम सरकार और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के प्रतिनिधियों के बीच 29 दिसंबर को नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शांतिपूर्ण, समृद्ध और उग्रवाद-मुक्त पूर्वोत्तर और असम में स्थायी शांति और सर्वांगीण विकास के सपने को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और केन्द्रीय गृह मंत्रालय और असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री अमित शाह ने कहा कि आज असम के लिए एक सुनहरा दिन है, जब लंबे समय से हिंसा का दंश झेल रहे नॉर्थईस्ट और असम में शांति स्थापित होने जा रही है। उन्होंने कहा कि 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से दिल्ली और नॉर्थईस्ट के बीच की दूरी कम करने के प्रयास हुए और खुले मन से सबके साथ बातचीत की शुरुआत हुई।

पिछले 5 वर्षों में विभिन्न राज्यों के साथ शांति और सीमा संबंधित हुए 9 समझौते

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदीजी के मार्गदर्शन में ही उग्रवाद, हिंसा और विवाद-मुक्त नॉर्थईस्ट की परिकल्पना लेकर गृह मंत्रालय ने काम किया। उन्होंने कहा कि पूरे नॉर्थईस्ट में पिछले 5 वर्षों में विभिन्न राज्यों के साथ शांति और सीमा संबंधित 9 समझौते हुए हैं, जिनके कारण आज नॉर्थईस्ट के बड़े हिस्से में शांति की स्थापना हुई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज तक 9000 से अधिक कैडर ने सरेंडर किया है और असम के 85 प्रतिशत हिस्से से AFSPA को हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि आज भारत सरकार, असम सरकार और उल्फा के बीच हो रहे त्रिपक्षीय समझौते से पूरे असम के सभी हिंसक गुटों को समाप्त करने में मोदी सरकार को सफलता मिली है।

श्री शाह ने कहा कि आज हुआ समझौता असम और पूरे नॉर्थईस्ट में शांति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज के समझौते के तहत उल्फा प्रतिनिधियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ने, सभी हथियार डालने और अपने सशस्त्र संगठन को खत्म करने पर

सहमति व्यक्त की है। इसके अलावा, उल्फा अपने सशस्त्र कैडरों के कब्जे वाले सभी शिविरों को खाली करने, कानून द्वारा स्थापित शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने और देश की अखंडता को बनाए रखने पर भी सहमत हुआ है।

उल्फा संघर्ष में मारे गए 10 हज़ार लोग

श्री अमित शाह ने कहा कि उल्फा संघर्ष में दोनों पक्षों के लगभग 10 हज़ार लोग मारे गए जो इस देश के ही नागरिक थे, लेकिन आज इस समस्या का संपूर्ण समाधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने एक बहुत बड़े पैकेज और असम के विकास के प्रोजेक्ट्स को भी सहमति दी है। श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार समझौते की हर बात पर पूरी तरह अमल करेगी और इस पर खरी उतरेगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी सरकार आने के बाद असम में हिंसक घटनाओं में 87 प्रतिशत, मृत्यु में 90 प्रतिशत, अपहरण में 84 प्रतिशत की कमी आयी है और अकेले असम में अब तक 7500 कैडर ने सरेंडर किया है, जिसमें आज 750 और जुड़ जाएंगे। इस प्रकार अकेले असम में 8200 से अधिक कैडर द्वारा आत्मसमर्पण किया जाना असम के लिए शांति के नए युग का सूत्रपात है।

पूरे नॉर्थईस्ट और विशेषकर असम के लिए शांति के नए युग की शुरुआत

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 2019 में एनएलएफटी, 2020 में ब्रू, बोड़ो, 2021 में कार्बी, 2022 में आदिवासी समझौता, असम-मेघालय सीमा समझौता, 2023 में असम-अरूणाचल सीमा समझौता और यूएनएलएफ और आज उल्फा के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा कि आज इस समझौते के साथ ही पूरे नॉर्थईस्ट और विशेषकर असम के लिए शांति के नए युग की शुरुआत होने जा रही है।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत सरकार का गृह मंत्रालय उल्फा की मांगों को पूरा करने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम बनाएगा और इसकी मॉनीटरिंग के लिए एक समिति भी बनाई जाएगी, जो असम सरकार के साथ मिलकर समझौते को पूरा करने का प्रयास करेगी। श्री शाह ने कहा कि 2019 के बाद हुए सभी समझौतों में मोदी सरकार समय से आगे है और समग्र पूर्व सभी शर्तों को पूरा करने का प्रयास किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के उग्रवाद-मुक्त नॉर्थईस्ट के ब्रॉडर विज़न के बिना ये संभव नहीं था। ■

मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर (मसरत आलम गुट)/ एमएलजेके-एमए विधिविरुद्ध संगठन घोषित

आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 2023 में अब तक 4 संगठनों को आतंकी संगठन, 6 व्यक्तियों को आतंकवादी और 2 संगठनों को विधिविरुद्ध संगठन घोषित किया जा चुका है

भारत सरकार ने 27 दिसंबर को मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर (मसरत आलम गुट)/एमएलजेके-एमए को विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धारा 3 (1) के तहत गैरकानूनी संगठन घोषित कर दिया।

एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ये संगठन और इसके सदस्य जम्मू और कश्मीर में राष्ट्रविरोधी और अलगाववादी गतिविधियों मे शामिल हैं और जम्मू और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों और लोगों को भड़काकर वहां इस्लामिक शासन स्थापित करने को समर्थन देने में लिप्त हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार का संदेश एकदम स्पष्ट है कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ कार्य करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उसे कानून के तहत कठोरतम सज़ा दी जाएगी।

मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर (मसरत आलम गुट)/MLJK-MA संगठन और इसके सदस्य जम्मू और कश्मीर में राष्ट्रविरोधी और अलगाववादी गतिविधियों मे शामिल हैं और जम्मू और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों और लोगों को भड़काकर वहां इस्लामिक शासन स्थापित करने को समर्थन देने में लिप्त हैं। इस संगठन के सदस्य लोगों को भड़काकर जम्मू और कश्मीर में इस्लामिक शासन स्थापित करना चाहते हैं जो भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता के लिए हानिकारक है। इस संगठन के खिलाफ विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (यूएपीए), 1967; भारतीय दंड संहिता, 1860; आर्म्स एक्ट, 1959 और रनबीर दंड संहिता, 1932 की विभिन्न धाराओं के तहत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत गृह मंत्रालय द्वारा 2023 में अब तक 4 संगठनों को आतंकी संगठन, 6 व्यक्तियों को आतंकवादी और 2 संगठनों को विधिविरुद्ध संगठन घोषित किया जा चुका है। ■

स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक 'आईएनएस इंफाल' नौसेना में शामिल

'आईएनएस इंफाल' भारत में निर्मित सबसे शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक है। 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री, उन्नत स्टील्थ सुविधाओं और अत्याधुनिक उपकरणों से लैस यह जहाज भारत की समुद्री शक्ति को और मजबूत करेगा

स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक 'आईएनएस इंफाल' को नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई में आयोजित एक समारोह में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में 26 दिसंबर, 2023 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। यह आयोजन चार स्वदेशी 'विशाखापत्तनम' श्रेणी के विध्वंसकों में से तीसरे को औपचारिक रूप से शामिल किए जाने को चिन्हित करता है। इसे भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया है और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई द्वारा निर्मित किया गया है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस इंफाल को रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' का एक चमकदार उदाहरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारतीय नौसेना, एमडीएल और अन्य सभी हितधारकों की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि 'आईएनएस इंफाल' भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक है और यह इसे और मजबूत करेगा।

इस जहाज की लंबाई 163 मीटर, चौड़ाई 17 मीटर है और यह 7,400 टन का विस्थापन करता है। आईएनएस इंफाल भारत में निर्मित सबसे शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक है। यह संयुक्त गैस और गैस विन्यास में चार शक्तिशाली गैस टर्बाइनों द्वारा संचालित है और यह 30 नॉट्स से भी अधिक की गति करने में सक्षम है।

आईएनएस इंफाल ने स्टील्थ विशेषताओं को बढ़ाया है, जिसके परिणामस्वरूप रडार क्रॉस सेक्शन कम हो गया है, जो हल के कुशल आकार, पूर्ण बीम सुपरस्ट्रक्चर डिजाइन, प्लेटेड मस्तूल और खुले डेक पर रडार पारदर्शी सामग्री के उपयोग के माध्यम से हासिल किया गया है। यह सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) रॉकेट लॉन्चर और टॉरपीडो लॉन्चर, एएसडब्ल्यू हेलीकॉप्टर, रडार, सोनार तथा इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली सहित उन्नत एवं जटिल अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस है। यह जहाज परमाणु, जैविक और रासायनिक युद्ध की स्थितियों में लड़ने के लिए सुसज्जित है।

इस जहाज की एक अनूठी विशेषता इसके लगभग 75 प्रतिशत के उच्च स्तर का स्वदेशीकरण है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' की कोशिशें को उजागर करता है। स्वदेशी उपकरणों/प्रणालियों में कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम, रॉकेट लॉन्चर, टॉरपीडो लॉन्चर, एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली, ऑटोमेटेड पावर मैनेजमेंट सिस्टम, फोल्डेबल हैंगर डोर्स, हेलो ट्रैवर्सिंग सिस्टम, क्लोज-इन हथियार प्रणाली और बो-माउंटेड सोनार शामिल हैं। ■

सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल-दिसंबर के दौरान 12 प्रतिशत बढ़कर 14.97 लाख करोड़ रुपए हुआ

इस वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में सकल जीएसटी संग्रह औसत 1.66 लाख करोड़ रुपए है तथा दिसंबर, 2023 के लिए 1,64,882 करोड़ रुपए का सकल जीएसटी राजस्व संग्रह रहा

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक जनवरी को जारी विज्ञप्ति के अनुसार अप्रैल-दिसंबर 2023 की अवधि के दौरान सकल जीएसटी संग्रह में वर्ष-दर-वर्ष 12 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई, जो 14.97 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। सकल जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की समान अवधि (अप्रैल-दिसंबर 2022) में 13.40 लाख करोड़ रुपए था।

इस वर्ष की पहले 9 महीने की अवधि में 1.66 लाख करोड़ रुपए का औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह वित्त वर्ष 23 की इसी अवधि में दर्ज 1.49 लाख करोड़ रुपए के औसत की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है।

दिसंबर, 2023 में एकत्रित सकल जीएसटी राजस्व 1,64,882 करोड़ रुपए है, जिसमें से सीजीएसटी 30,443 करोड़ रुपए है, एसजीएसटी 37,935 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 84,255 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 41,534 करोड़ रुपए सहित) और उपकर 12,249 करोड़ रुपए है (माल के आयात पर एकत्र 1,079 करोड़ रुपए सहित)। यह इस वर्ष का अब तक सातवां महीना है, जिसमें संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपए से अधिक है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी को 40,057 करोड़ रुपये तथा एसजीएसटी को 33,652 करोड़ रुपये का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद दिसंबर, 2023 के महीने में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 70,501 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 71,587 करोड़ रुपये है।

दिसंबर, 2023 महीने का राजस्व पिछले साल के इसी महीने के जीएसटी राजस्व से 10.3 प्रतिशत अधिक है। महीने के दौरान घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व से 13 प्रतिशत अधिक है। ■

इसरो ने एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह का किया सफल प्रक्षेपण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह (एक्सपीओसैट) का एक जनवरी, 2024 को सफल प्रक्षेपण किया, जो ब्लैक होल जैसे आकाशीय पिंडों के रहस्यों का अध्ययन करेगा।

इसरो के सबसे भरोसेमंद ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) ने अपने सी58 मिशन में मुख्य एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह (एक्सपीओसैट) को पृथ्वी की 650 किलोमीटर निचली कक्षा में स्थापित किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा एक्सपीओसैट उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने भारत को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अंतरिक्ष समुदाय के साथ-साथ इसरो वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, "2024 की शानदार शुरुआत के लिए हमारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद! यह प्रक्षेपण अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए अद्भुत खबर है और इस क्षेत्र में भारत के कौशल को बढ़ाएगा। भारत को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और पूरी अंतरिक्ष समुदाय को शुभकामनाएं।" ■

14 करोड़ ग्रामीण परिवारों को मिला नल जल कनेक्शन

जल जीवन मिशन ने केवल चार वर्षों में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को आश्चर्यजनक रूप से 3 करोड़ से बढ़ाकर 14 करोड़ कर दिया

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार जल जीवन मिशन (जेजेएम) ने पांच जनवरी को 14 करोड़ (72.71%) ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान करने की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। 15 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई भारत सरकार की इस प्रमुख पहल ने बेमिसाल गति और पैमाने का प्रदर्शन करते हुए केवल चार वर्षों में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को आश्चर्यजनक रूप से तीन करोड़ से बढ़ाकर 14 करोड़ कर दिया है। उल्लेखनीय है कि 2 लाख से अधिक गांव और 161 जिलों में अब 'हर घर जल' है।

जल जीवन मिशन ने जल शुद्धिकरण और उपचार विधियों को लागू करके यह सुनिश्चित किया है कि घरों तक पहुंचने वाला पानी मानकों को पूरा करे, इससे जलजनित बीमारियों में काफी कमी आई है और ग्रामीण समुदायों के समग्र स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

घरेलू पानी के कनेक्शन के अलावा इस मिशन ने देश भर में 9.24 लाख (90.65 प्रतिशत) स्कूलों और 9.57 लाख (86.63 प्रतिशत) आंगनवाड़ी केंद्रों में नल के जल की आपूर्ति सुनिश्चित की है। 112 आकांक्षी जिलों में नल के पानी की पहुंच, जो मिशन की शुरुआत के समय 21.41 लाख (7.86 प्रतिशत) घरों तक थी, आज बढ़कर आज 1.96 करोड़ (72.08 प्रतिशत) घरों तक हो गई है। ■

बिहार में गंगा नदी पर दीघा और सोनपुर को जोड़ने वाले 4.56 किमी लंबे, 6-लेन वाले नए पुल के निर्माण को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने 27 दिसंबर को गंगा नदी पर (मौजूदा दीघा-सोनपुर रेल-और सड़क पुल के पश्चिमी किनारे के समानांतर) 4556 मीटर लंबे, 6-लेन वाले उच्च स्तरीय/अतिरिक्त केबल वाले नए पुल और ईपीसी मोड पर बिहार राज्य में पटना और सारण जिलों (एनएच-139डब्ल्यू) में दोनों तरफ इसके पहुंच मार्ग के निर्माण को मंजूरी दे दी।

परियोजना की कुल लागत 3,064.45 करोड़ रुपये है, जिसमें 2,233.81 करोड़ रुपये की सिविल निर्माण लागत शामिल है। यह पुल यातायात को तेज़ और आसान बना देगा, जिसके परिणामस्वरूप राज्य, विशेषकर उत्तर बिहार का समग्र विकास होगा।

उल्लेखनीय है कि दीघा (पटना और गंगा नदी के दक्षिणी तट पर स्थित) और सोनपुर (सारण जिले में गंगा नदी का उत्तरी तट) वर्तमान में केवल हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए रेल और सड़क पुल से जुड़े हुए हैं। इसलिए, वर्तमान सड़क का उपयोग माल और वस्तुओं के परिवहन के लिए नहीं किया जा सकता है जो एक प्रमुख आर्थिक नाकाबंदी है। इस पुल को उपलब्ध कराने से दीघा और सोनपुर के बीच बाधा दूर हो जाएगी; पुल के निर्माण के बाद माल और वस्तुओं को लाने-ले जाने का काम किया जा सकता है, जिससे क्षेत्र की आर्थिक क्षमता उजागर होगी। ■

मोदी स्टोरी

राम मंदिर: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संतों से विशेष आग्रह

आगामी 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अयोध्या में राम मंदिर का आधिकारिक उद्घाटन करेंगे। यह दिन राष्ट्र के 500 साल पुराने संघर्ष के अंत का प्रतीक होगा। सत्य और न्याय के लिए इस लंबी एवं कठिन लड़ाई को लड़ने के लिए साहस और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता थी। यह रामलला के लिए लड़ाई थी।

इन संघर्षों के बीच, एक व्यक्ति ऐसा था जिसकी आस्था स्थिर थी, जो हमेशा मानता था कि राम मंदिर उसी स्थान पर बनाया जाएगा जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। वह व्यक्ति थे श्री नरेन्द्र मोदी।

यह उस समय की बात है जब श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सदस्य 22 जनवरी को भव्य कार्यक्रम के लिए आमंत्रण देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निवास पर आये थे। ट्रस्ट के सदस्य स्वामी गोविंद देव गिरि इस घटना का वर्णन करते हैं और इसे प्रधानमंत्री श्री मोदी की विनम्रता का एक श्रेष्ठ उदाहरण बताते हैं।

स्वामी गोविंद देव गिरि कहते हैं, “हमें मिलने के लिए शाम 5.15 बजे का समय दिया गया था और सभी को आश्चर्य हुआ कि प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वयं ट्रस्ट के सदस्यों का स्वागत करने के लिए दरवाजे पर खड़े थे।”

दरवाजे पर अभिवादन के बाद ट्रस्ट के सदस्यों और श्री मोदी के बीच चर्चा शुरू हुई। हमने श्री नरेन्द्र मोदी को सूचित किया कि हम उन्हें 22 जनवरी, 2024 को राम मंदिर उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के लिए वहां आए हैं। हमने अपना यह विचार भी व्यक्त किया कि हमें कार्यक्रम के बारे में उनसे सुझाव की आवश्यकता है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है और ट्रस्ट के सदस्य मुझे कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करने आये हैं, इसलिए कार्यक्रम में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का फैसला संत ही करेंगे। स्वामी गोविंद देव गिरि ने कहा कि श्री मोदी ने यह भी कहा कि वह केवल संतों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करेंगे।

स्वामी गोविंद देव गिरि ने आगे कहा “आम तौर पर हम ऐसी विनम्रता नहीं देखते हैं। लोग अपनी सुविधा के अनुसार सुझाव देते हैं, लेकिन श्री मोदी को राम मंदिर ट्रस्ट के निर्णय पर पूरा भरोसा था।”

स्वामी गोविंद देव गिरि कहते हैं कि देश की राजनीतिक व्यवस्था के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति से संतों के प्रति इस तरह के सम्मान और इस तरह की विनम्रता की उम्मीद करना बहुत दुर्लभ है और यही कारण है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी सभी के प्रिय हैं।

एक और पहलू है जिसका यहां जिक्र किया जाना चाहिए और वह यह है कि श्रीराम मंदिर को सामाजिक समावेशन का केंद्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लगातार आग्रह करते रहे हैं।

स्वामी गोविंद देव गिरि कहते हैं, “एक बैठक में श्री मोदी ने सुझाव दिया कि महर्षि वाल्मिकी और वशिष्ठ, शबरी, निषादराज, जटायु, अहिल्या और अन्य श्रीराम के जीवन का अभिन्न अंग हैं और उन्हें राम मंदिर के भीतर जगह मिलनी चाहिए।”

स्वामी गोविंद देव गिरि कहते है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह दृष्टिकोण एक ऐसा विचार है जो देश को एकजुट करेगा, क्योंकि इसमें समाज का हर वर्ग शामिल है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी राम मंदिर में दिव्यांग लोगों की पहुंच को लेकर बेहद संवेदनशील थे। उन्होंने एक ऐसी प्रणाली का सुझाव दिया था, जो ऐसे लोगों को मंदिर तक परेशानी मुक्त पहुंच प्रदान करेगी।

राम मंदिर के गर्भ गृह तक किसकी पहुंच होगी, यह एक और चिंता थी जो श्री मोदी ने उठाई थी। उन्होंने सोमनाथजी जैसी व्यवस्था बनाने का भी सुझाव दिया, जहां केवल पुजारियों को गर्भ गृह के अंदर जाने की अनुमति हो।

ये सभी सुझाव स्वयं श्री मोदी की ओर से आए थे। ■

'विकसित भारत संकल्प यात्रा', लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

हमारी यात्रा प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भारत को आगे ले जाने की है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 31 दिसंबर, 2023 को लखनऊ में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री श्री कौशल किशोर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह, उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना एवं अन्य नेता उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री नड्डा ने इंडी-गठबंधन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि विपक्ष देश को पीछे खींचनेवाली ताकत के रूप में काम कर रहा है। आज देश को आगे ले जानेवालों और देश को पीछे खींचनेवालों के बीच प्रतिस्पर्धा चल रही है। जहां इंडी-गठबंधन मोदीजी को रोकने की कोशिश कर रहा है, वहीं हमारी यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को आगे ले जाने की है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण स्पष्ट है; अगर हमें विकसित भारत की ओर बढ़ना है तो सबसे पहले हमारे गांव समृद्ध हों, देश में गरीबी न हो और युवा आगे बढ़ें, महिलाएं और किसान सशक्त हों। इसलिए, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, आदिवासी, अनुसूचित जाति समुदाय, महिलाएं, युवा एवं किसान इन योजनाओं से वंचित न रहें। समाज के इन सभी वर्गों के सशक्तीकरण से ही देश का विकास होगा। ■

महिला हाफ मैराथन-2023, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

'अब ओलिंपिक्स, एशियन गेम्स आदि खेलों में भारत के गांव का प्रतिनिधि जाएगा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 31 दिसंबर, 2023 को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में महिला हाफ मैराथन-2023 कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण का उल्लेख करते हुए इस आयोजन के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है जल्द ही यहां फुल मैराथन भी होगी। मैराथन में हजारों महिला धावक शामिल हुईं। इस कार्यक्रम के दौरान मंच पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह, उत्तर प्रदेश उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, केन्द्रीय मंत्री श्री कौशल किशोर एवं अन्य नेता उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि युवा, महिला, गरीब, किसान सबको विकास में शामिल कर, देश विकसित भारत बनता है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि उन्हे केवल चार जातियां दिखाई देती है– महिला, युवा, किसान और गरीब। यदि हम गरीबों, महिलाओं, किसानों एवं युवाओं का विकास करते है तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना, आवास योजना आदि योजनाओं से महिलाओं का सशक्तीकरण किया गया है। किसानों के लिए किसान सम्मान निधि, चाइल्ड हेल्थ कार्ड, नीम कोटेड यूरिया आदि से किसानों की मदद की गई है और इसे उत्तर प्रदेश की जमीन पर सफलतापूर्वक उतारने का काम मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया है। श्री नड्डा ने कहा कि सौभाग्य योजना, उजाला योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना आदि के माध्यम से गरीबों की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम किया गया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 80 करोड़ की जनता को पांच किलो गेहूं, पांच किलो चावल एवं एक किलो दाल प्रदान किया गया, जिसके कारण 13.5 करोड़ लोग आज गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके है और 'बीपीएल' से 'एपीएल' बन चुके है। युवाओं को स्टैन्ड-अप योजना, स्टार्ट-अप योजना, खेलो इंडिया, फिटनस इंडिया के माध्यम से आगे बढ़ाने का काम भी भाजपा की सरकार ने किया है। 'खेलो इंडिया' के तहत हर गांव और शहर से युवाओं का चयन किया जाता है और उन्हें 50 हजार रुपए तक का भत्ता भी प्रदान किया जाता है।

श्री नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खेलो इंडिया, फिटनेस इंडिया को अच्छे ढंग से लागू करना तथा हर जिले में आधुनिक स्टेडियम, हर गांव में ओपन जिम, खेल का मैदान का निर्माण हुआ है जो यह दिखाता है कि अब ओलिंपिक्स, एशियन गेम्स आदि खेलों में इंडिया का नहीं, बल्कि भारत के गांव का प्रतिनिधि जाएगा। ■

कैप्टन को श्रद्धांजलि!

नरेन्द्र मोदी

कुछ दिन पहले हमने एक बेहद ही सम्मानित और प्रतिष्ठित आइकॉन तिरु विजयकांत जी को खो दिया। वह वास्तव में सभी के लिए एक कैप्टन थे— एक व्यक्ति जिसने अपना जीवन दूसरों की भलाई के लिए जीया, जरूरतमंद लोगों को नेतृत्व और हीलिंग टच प्रदान किया। व्यक्तिगत रूप से कैप्टन एक बहुत ही प्रिय मित्र थे — ऐसे व्यक्ति जिनके साथ मुझे कई अवसरों पर बातचीत और निकटता से काम करने का मौका मिला।

कैप्टन बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। भारतीय सिनेमा जगत में बहुत कम सितारों ने विजयकांत जी जैसी अमिट छाप छोड़ी है। उनके प्रारंभिक वर्षों और सिनेमाई कार्यों से प्रेरित होने के लिए बहुत कुछ है। साधारण शुरुआत से लेकर तमिल सिनेमा की ऊंचाइयों तक का उनका सफर सिर्फ स्टारडम की कहानी नहीं है, बल्कि अथक प्रयास और अटूट समर्पण की कहानी है। उन्होंने प्रसिद्धि के लिए सिनेमा की दुनिया में कदम नहीं रखा। उनकी यात्रा जुनून और दृढ़ता से प्रेरित थी। उनकी प्रत्येक फिल्म ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि अपने समय के सामाजिक लोकाचार को भी दर्शकों के व्यापक वर्ग के साथ गहराई से प्रतिबिंबित किया।

कैप्टन की भूमिकाएं और उन्होंने उन भूमिकाओं को कैसे निभाया, यह आम नागरिक के संघर्षों के बारे में उनकी गहरी समझ को उजागर करता है। उन्होंने अक्सर ऐसे चरित्रों को चित्रित किया जो अन्याय, भ्रष्टाचार, हिंसा, उग्रवाद और आतंकवाद के खिलाफ लड़े और वंचितों के लिए खड़े हुए। इन गुणों को उन्होंने वास्तविक जीवन में भी अपनाया। यह कहना उचित होगा कि उनकी फिल्में समाज का दर्पण होती थीं, जो उसके गुणों और दोषों को दर्शाती थीं। मनोरंजन और सामाजिक संदेश के इस अनूठे मिश्रण ने उन्हें दूसरों से अलग खड़ा कर दिया।

यहां मैं ग्रामीण जीवन और संस्कृति के प्रति उनके प्रेम को विशेष रूप से उजागर करना चाहता हूं। अपार प्रसिद्धि पाने और दुनिया भर में यात्रा करने के बाद भी, ग्रामीण जीवन और पारंपरिक लोकाचार के प्रति उनका प्रेम बना रहा। ऐसा लगता है कि उनकी फ़िल्में उनके ग्रामीण अनुभव को बारीकी से दर्शाती हैं । उन्होंने ग्रामीण परिवेश के बारे में शहरी लोगों की समझ को बेहतर बनाने के लिए अक्सर अनुकरणीय प्रयास किए।

साधारण शुरुआत से लेकर तमिल सिनेमा की ऊंचाइयों तक का उनका सफर सिर्फ स्टारडम की कहानी नहीं है, बल्कि अथक प्रयास और अटूट समर्पण की कहानी है। उन्होंने प्रसिद्धि के लिए सिनेमा की दुनिया में कदम नहीं रखा। उनकी यात्रा जुनून और दृढ़ता से प्रेरित थी। उनकी प्रत्येक फिल्म ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि अपने समय के सामाजिक लोकाचार को भी दर्शकों के व्यापक वर्ग के साथ गहराई से प्रतिबिंबित किया

लेकिन कैप्टन का असर सिल्वर स्क्रीन तक ही सीमित नहीं रहा। उन्होंने राजनीति की दुनिया में कदम रखा और अधिक व्यापक तरीके से समाज की सेवा करना चाहते थे। उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में तब प्रवेश किया जब तमिलनाडु की राजनीति पर दो दिग्गजों — अम्मा जयललिता जी और कलैग्नार करुणानिधि जी का वर्चस्व था। ऐसे में तीसरा विकल्प प्रस्तुत करना अद्वितीय तो था ही, लेकिन यह विंटेज कैप्टन ही थे जो अपनी शर्तों पर काम करते थे! राष्ट्रवाद और सामाजिक न्याय पर उनका अपना जोर, देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कड़गम (DMDK) की विचारधारा में प्रतिबिंबित हुआ, जिसकी स्थापना उन्होंने 2005 में की थी। जब भी वह बोलते थे तो कोई भी उनके ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व के साथ समानताओं को देख सकता था, जो अक्सर दलितों के हितों की वकालत करते थे। तमिलनाडु की अत्यधिक द्विध्रुवीय और प्रतिस्पर्धी राजनीति में उनकी पार्टी के गठन के अपेक्षाकृत कम समय में ही वह 2011 में प्रमुख विपक्षी नेता बन गए।

मैंने 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान कैप्टन के साथ काम किया था जब हमारी पार्टियां गठबंधन में लड़ी थीं और 18.5% से अधिक वोट हासिल किए थे, जो कि 1989 के चुनावों के बाद किसी भी मुख्य क्षेत्रीय पार्टी के बिना किसी भी राष्ट्रीय गठबंधन को मिले सबसे अधिक वोट थे! मुझे सलेम में की गई हमारी संयुक्त रैली अच्छी तरह से याद है, जहां मैंने उनकी ओजस्वी वाकपटुता (Oratory) कला और लोगों के साथ उनका जुड़ाव देखा था। 2014 में जब एनडीए की सरकार बनी तो वह सबसे खुश लोगों में से थे। मैं सेंट्रल हॉल में उनकी खुशी को कभी नहीं भूल सकता, जब 2014 की चुनाव जीत के बाद एनडीए नेता मिले थे।

प्रोफेशनल उपलब्धियों के परे विजयकांत जी का जीवन युवाओं को बहुमूल्य सीख देता

है। सबसे विशेष रूप से — रेजिलिएंस की शक्ति, कभी हार न मानने वाला रवैया और पूर्ण समर्पण के माध्यम से किसी भी चुनौती पर काबू पाने की क्षमता। उनका विशाल हृदय वाला स्वभाव भी उतना ही प्रेरणादायक है। वह परोपकार के लिए जाने जाते थे। उन्होंने अपनी प्रसिद्धि और संसाधनों का उपयोग कई तरीकों से समाज को वापस देने के लिए किया। वह हमेशा चाहते थे कि तमिलनाडु और पूरा भारत हेल्थकेयर और एजुकेशन में अग्रणी बने।

प्रोफेशनल उपलब्धियों के परे विजयकांत जी का जीवन युवाओं को बहुमूल्य सीख देता है। सबसे विशेष रूप से — रेजिलिएंस की शक्ति, कभी हार न मानने वाला रवैया और पूर्ण समर्पण के माध्यम से किसी भी चुनौती पर काबू पाने की क्षमता। उनका विशाल हृदय वाला स्वभाव भी उतना ही प्रेरणादायक है। वह परोपकार के लिए जाने जाते थे

विजयकांत जी के निधन से कई लोगों ने अपना सबसे पसंदीदा सितारा खो दिया और कई लोगों ने अपना प्रिय नेता खो दिया, लेकिन मैंने एक प्रिय मित्र खो दिया है — एक ऐसा मित्र जिसकी गर्मजोशी और बुद्धिमत्ता अद्भुत थी। वह अपने पीछे एक ऐसा शून्य छोड़ गए हैं जिसे भरा नहीं जा सकता। 'कुरल' इस बारे में बात करता है कि कैसे साहस, उदारता, बुद्धि और उत्साह, एक सफल नेता के चार आवश्यक गुण हैं। कैप्टन ने वास्तव में इन गुणों को मूर्त रूप दिया और यही कारण है कि उनका इतना व्यापक सम्मान है। उनकी विरासत उनके प्रशंसकों के दिलों, तमिल सिनेमा के इतिहास और सार्वजनिक सेवा के गलियारों में जीवित रहेगी और हम सभी के लिए प्रगति और सामाजिक न्याय के उनके विजन को साकार करने के लिए काम करते रहेंगे। ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

कमल पुष्प सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

पैदा सुब्बा रामय्या

जन्म: 09 अक्टूबर, 1889
सक्रिय वर्ष: 1952-1956
जिला: नेल्लोर, आंध्र प्रदेश

श्री पैदा सुब्बा रामय्या आंध्र प्रदेश के नेल्लोर के निवासी थे और हिंदू महासभा के नेता एवं 'हिंदू केसरी' के रूप में जाने जाते थे। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आये और बाद में जनसंघ में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नेल्लोर के जिला मंत्री पद का दायित्व संभाला। जनसंघ में रहते हुए उन्होंने जम्मू-कश्मीर सत्याग्रह में भाग लिया। उन्होंने जनसंघ में प्रदेश स्तर पर विभिन्न दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। ■

हृदयनाथ सिंह नहीं रहे

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री हृदयनाथ सिंह का 82 वर्ष की आयु में 1 जनवरी को लखनऊ में निधन हो गया। वह भाजपा राष्ट्रीय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय संगठक थे। छात्र जीवन से ही उनका झुकाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर था और पढ़ाई पूरी करने के बाद वे संघ के प्रचारक बने। उनकी यात्रा तत्कालीन फैजाबाद (वर्तमान अयोध्या) की अकबरपुर तहसील (वर्तमान अंबेडकर नगर जिला) से एक तहसील प्रचारक के रूप में शुरू हुई। बाद में, उन्हें जिला प्रचारक और विभाग प्रचारक की जिम्मेदारी सौंपी गई। 1990 के दशक में उन्हें ब्रज क्षेत्र का भाजपा महामंत्री (संगठन) बनाया गया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न प्रदेश में महामंत्री (संगठन) के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य और श्री ब्रजेश पाठक एवं पार्टी के अन्य नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक्स पर लिखते हुए कहा, "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री हृदयनाथ सिंह जी का निधन अत्यंत पीड़ादायक है। आपका संपूर्ण जीवन जनसेवा व राष्ट्र निर्माण को समर्पित रहा। आपकी कार्यकुशलता और संगठन के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणीय है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें।''

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री हृदयनाथ सिंह जी के निधन से मुझे अत्यंत दुःख हुआ है। उनके साथ मेरा लंबा संपर्क रहा। विशेषरूप से जब मैं उत्तर प्रदेश में पार्टी का अध्यक्ष था, तब क्षेत्रीय संगठन मंत्री के रूप में उनकी कार्य कुशलता एवं क्षमता को मैंने करीब से अनुभव किया। उनका पूरा जीवन जनहित और देशहित में समर्पित रहा। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और शुभचिंतकों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।" ■

भाजपा नेता सुरजीत दत्ता का निधन

भाजपा नेता और रामनगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं त्रिपुरा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री सुरजीत दत्ता का 27 दिसंबर, 2023 को कोलकाता में निधन हो गया। उनका इलाज कोलकाता के एक अस्पताल में चल रहा था। वह 69 वर्ष के थे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने उनके निधन पर कहा, "त्रिपुरा के रामनगर विधानसभा से भाजपा विधायक सुरजीत दत्ता जी का निधन अत्यंत पीड़ादायक है। उनके निधन से राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक गहरा शून्य पैदा हुआ है। उन्हें जन कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें यह पीड़ा सहने की शक्ति दे।"

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी.एल. संतोष ने 'एक्स' पर एक शोक संदेश में कहा, "कुछ समय की बीमारी के बाद त्रिपुरा के विधायक श्री सुरजीत दत्ता ने अंतिम सांस ली। वह पार्टी के वरिष्ठ नेता और रामनगर विधानसभा से सात बार विधायक रहे। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवारजनों और मित्रों को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें।"

मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा, "वरिष्ठ राजनेता और भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा विधायक श्री सुरजीत दत्ता (सुनु दा) का प्रदेश के बाहर एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया, इससे मेरा मन दुःखी और आहत है। उनका निधन प्रदेश की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें! शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।" मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने बताया कि उनके निधन पर त्रिपुरा सरकार ने 28 दिसंबर को एक दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है।"

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बिप्लब देब ने एक्स पर लिखा, "वह लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले राजनेता थे। जब से मैंने त्रिपुरा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में काम करना शुरू किया, मुझे एक अभिभावक और सबसे ऊपर एक राजनीतिक गुरु के रूप में उनका मार्गदर्शन और स्नेह प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। आपको सदैव याद किया जाएगा।" ■

प्रधानमंत्री ने क्रिसमस के अवसर पर ईसाई समुदाय के साथ की बातचीत

ईसाई समुदाय के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए देश के प्रति उनके दृष्टिकोण की प्रशंसा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने क्रिसमस के अवसर पर 25 दिसंबर को भारत के प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली में ईसाई समुदाय के साथ बातचीत की। उन्होंने क्रिसमस के अवसर पर आयोजित समारोह के कार्यक्रम को भी संबोधित किया। स्कूली बच्चों ने गायन प्रस्तुति भी दी।

श्री मोदी ने सभी को विशेष रूप से ईसाई समुदाय के लोगों को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए इस विशेष और पवित्र अवसर पर उनके साथ सम्मिलित होने के लिए उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने क्रिसमस को एक साथ मनाने के भारतीय अल्पसंख्यक फाउंडेशन के प्रस्ताव को स्वीकार करने पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस पहल के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री ने लंबे समय तक ईसाई समुदाय के साथ अपने घनिष्ठ और बेहद मधुर संबंधों पर प्रकाश डालते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में ईसाई समुदाय और उनके नेताओं के साथ लगातार बैठकें करने का भी स्मरण किया। श्री मोदी ने कुछ वर्ष पहले होली पोप के साथ अपनी बातचीत को एक बहुत ही यादगार क्षण बताते हुए पृथ्वी को एक बेहतर स्थान बनाने के लिए सामाजिक सद्भाव, वैश्विक भाईचारे, जलवायु परिवर्तन और समावेशी विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री ने द होली पोप के क्रिसमस संबोधनों में से एक का उल्लेख किया, जहां उन्होंने उन लोगों के लिए आशीर्वाद की प्रार्थना की, जो गरीबी उन्मूलन के लिए काम कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि द होली पोप इस धारणा में विश्वास करते हैं कि गरीबी व्यक्तियों की गरिमा को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि द होली पोप की यह धारणा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को प्रतिबिंबित करती है। श्री मोदी ने कहा, "हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विकास का लाभ सभी तक पहुंचे और कोई भी अछूता न रहे।" उन्होंने बताया कि ईसाई धर्म के कई लोग, विशेष रूप से गरीब वर्ग, सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

देश ईसाई समुदाय के योगदान को गर्व के साथ स्वीकार करता है

श्री मोदी ने कहा, "देश ईसाई समुदाय के योगदान को गर्व के साथ स्वीकार करता है।'' प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम में ईसाई समुदाय के योगदान की प्रशंसा की और विभिन्न बौद्धिक विचारकों और नेताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज को दिशा देने में ईसाई समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और गरीबों और वंचितों के प्रति सामाजिक सेवा में सक्रिय भागीदारी का उल्लेख किया। श्री मोदी ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनके योगदान को भी रेखांकित किया।

इस संवाद में देश भर से ईसाई समुदाय के प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। ■

क्रिसमस के अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने दिल्ली स्थित सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल कैथोलिक चर्च का दौरा किया

'वीर बाल दिवस' भारतीयता की रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने के संकल्प का प्रतीक है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 दिसंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। श्री मोदी ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत गायन और मार्शल आर्ट के तीन प्रदर्शन देखा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने दिल्ली में युवाओं के मार्च-पास्ट को भी झंडी दिखाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र वीर साहिबजादे के अमर बलिदान का स्मरण कर रहा है और उनसे प्रेरणा ले रहा है, क्योंकि आजादी के अमृत काल में भारत के लिए 'वीर बाल दिवस' का एक नया अध्याय आरंभ हो रहा है। उन्होंने पिछले वर्ष इसी दिन मनाए गए पहले वीर बाल दिवस के समारोह का स्मरण किया, जब वीर साहिबजादे की वीरता की कहानियों ने पूरे देश को उद्वेलित कर दिया था।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि वीर बाल दिवस भारतीयता की रक्षा के लिए कभी न हार मानने वाले मनोभाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें स्मरण दिलाता है कि जब वीरता की पराकाष्ठा की बात आती है तो उम्र कोई मायने नहीं रखती है। श्री मोदी ने इसे सिख गुरुओं की विरासत का उत्सव बताते हुए कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके चार वीर साहिबजादों का साहस और आदर्श आज भी हर भारतीय का हौसला बढ़ाते हैं।

प्रधानमंत्रीजी ने बाबा मोती राम मेहरा के परिवार के बलिदान और दीवान टोडरमल के समर्पण का स्मरण करते हुए कहा कि वीर बाल दिवस उन माताओं के लिए एक राष्ट्रीय श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अद्वितीय साहस वाले वीरों को जन्म दिया। श्री मोदी ने कहा कि गुरुओं के प्रति यह सच्ची भक्ति, राष्ट्र के प्रति समर्पण की ज्वाला को प्रज्वलित करती है।

'वीर बाल दिवस' अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है

प्रधानमंत्रीजी ने प्रसन्नता जताई कि 'वीर बाल दिवस' अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है और अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात तथा ग्रीस में वीर बाल दिवस से संबंधित कार्यक्रमों का अवलोकन किया गया। श्री मोदी ने चमकौर और सरहिंद की लड़ाई के अतुलनीय इतिहास को स्मरण करते हुए कहा कि इस इतिहास को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने याद किया कि कैसे भारतीयों ने क्रूरता और निरंकुशता का गरिमा के साथ सामना किया।

श्री मोदी ने बताया कि दुनिया भारत को अवसरों की अग्रणी भूमि मान रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अर्थव्यवस्था, विज्ञान, अनुसंधान, खेल और कूटनीति की वैश्विक समस्याओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। श्री मोदी ने लाल किले से दिए अपने आह्वान को दोहराया, "यही समय है, सही समय है।" उन्होंने कहा कि यह भारत का समय है, अगले 25 साल भारत की क्षमताओं को प्रदर्शित करेंगे। उन्होंने पंच प्रण के अनुसरण करने और एक भी क्षण व्यर्थ न करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

भारत एक ऐसे समय से गुजर रहा है जो युगों में आता है

प्रधानमंत्रीजी ने जोर देकर कहा कि भारत एक ऐसे समय से गुजर रहा है जो युगों में आता है। श्री मोदी ने कहा कि आजादी के इस अमृत काल में कई कारक एक साथ आए हैं, जो भारत के लिए स्वर्णिम काल निर्धारित करेंगे। उन्होंने भारत की युवा शक्ति पर जोर दिया और कहा कि आज देश में युवाओं की आबादी स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान की तुलना में कहीं अधिक है। श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि युवाओं की वर्तमान पीढ़ी देश को अकल्पनीय ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

उन्होंने नचिकेता, जिन्होंने ज्ञान की खोज में सभी बाधाओं को पार कर लिया; अभिमन्यु, जिन्होंने कम उम्र में 'चक्रव्यूह' भेद डाला; ध्रुव और उनकी तपस्या; मौर्य राजा चंद्रगुप्त, जिन्होंने बहुत कम आयु में साम्राज्य का नेतृत्व किया; एकलव्य और अपने गुरु के प्रति उनका समर्पण; द्रोणाचार्य, खुदीराम बोस, बटुकेश्वर दत्त, कनकलता बरुआ, रानी गाइदिन्ल्यू, बाजी राउत और कई अन्य राष्ट्रीय नायक जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया, का उल्लेख किया।

श्री मोदी ने बहुत स्पष्ट और जोर देकर कहा कि आने वाले 25 साल हमारे युवाओं के लिए बड़े अवसर लेकर आ रहे हैं। भारत के युवा, चाहे वे किसी भी क्षेत्र या समाज में पैदा हुए हों, उनके असीमित सपने हैं। इन सपनों को पूरा करने के लिए सरकार के पास स्पष्ट रूपरेखा और स्पष्ट विज़न है।

उन्होंने सक्षमकारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 10 हजार अटल टिंकरिंग लैब्स और जीवंत स्टार्टअप संस्कृति का उल्लेख करते हुए इसकी विस्तार से व्याख्या की। श्री मोदी ने युवाओं, एससी/एसटी और पिछड़े समुदायों के निर्धन वर्ग के 8 करोड़ नए उद्यमियों का भी उल्लेख किया, जो मुद्रा योजना के कारण अस्तित्व में आए।

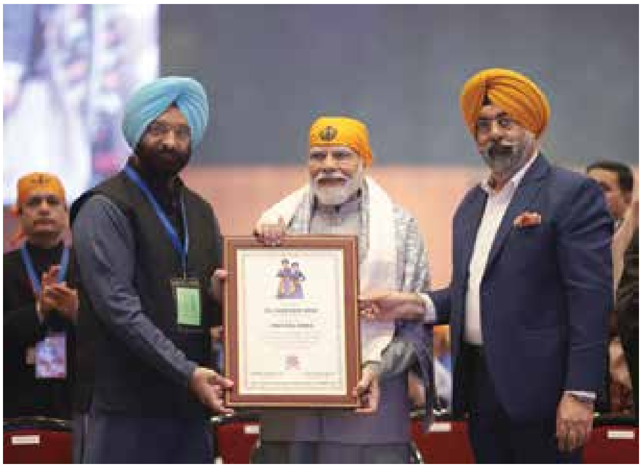

प्रधानमंत्री ने तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सपने का अर्थ विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को सबसे अधिक लाभ होगा और इसका अर्थ बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसर, रोज़गार, जीवन की गुणवत्ता और उत्पादों की गुणवत्ता होगी। श्री मोदी ने युवा जनसमूह को विकसित भारत के सपनों और संकल्प से युवाओं को जोड़ने के राष्ट्रव्यापी अभियान के बारे में बताया। उन्होंने प्रत्येक युवा को एमवाई-भारत पोर्टल पर पंजीकरण करने के लिए आमंत्रित किया। श्री मोदी ने कहा कि यह मंच अब देश की युवा बेटियों और बेटों के लिए एक बड़ी संस्था बन रहा है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर भी इस अवसर पर उपस्थित थे। ■

श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं श्री अमित शाह ने की गुरुद्वारा बारा सिख संगत में प्रार्थना

'वीर साहिबजादों का बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणा है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 26 दिसंबर, 2023 को वीर बाल दिवस के अवसर पर कोलकाता स्थित गुरुद्वारा बारा सिख संगत गए और प्रार्थना की।

9 जनवरी, 2022 को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के दिन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने घोषणा की थी कि उनके पुत्रों साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फ़तेह सिंह जी की शहादत को याद करने के लिए 26 दिसंबर को हर साल 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

यह दिन एक महान क्रांतिकारी उधम सिंह की जयंती भी है, जिन्होंने 1919 में बैसाखी के दिन जनरल ओ डायर की हत्या करके अमृतसर के जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लिया था। डायर ने मार्च, 1940 में अपनी सेना को शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाने का आदेश दिया था। बाद में उधम सिंह को अंग्रेजों ने लंदन में फांसी दे दी।

'एक्स' पर अपने संदेश में, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के साथ कोलकाता में गुरुद्वारा बारा सिख संगत का दौरा किया। वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरु नानक देव जी और गुरु तेग बहादुर जी द्वारा आशीर्वादित इस प्रतिष्ठित स्थान पर प्रार्थना करना मेरे लिए वास्तव में एक आशीर्वाद है। आज हम वीर साहिबजादे के अमर बलिदान को याद करते हैं और उन्हें नमन करते हैं, जिनका अटूट साहस और आस्था के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा है।"

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, "कोलकाता स्थित गुरुद्वारा श्री बड़ी संगत साहिब में मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। इस ऐतिहासिक गुरुद्वारा को गुरु नानक देव जी व गुरु तेग बहादुर जी के संगत का आशीष प्राप्त है। आज 'वीर बाल दिवस' के दिन यहां सत्संग सुनना मेरे लिये अत्यंत सौभाग्य की बात है। गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों द्वारा छोटी उम्र में ही धर्म और सत्य की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान युगों-युगों तक हम सभी को प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे।" ■

स्वामी विवेकानंद जी के सपनों को साकार करती मोदी सरकार

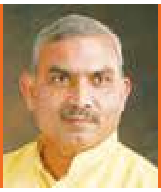

शिव प्रकाश

12 जनवरी, 1863 को कोलकाता के संभ्रांत परिवार विश्वनाथ दत्त एवं भुवनेश्वरी देवी के परिवार में एक बालक का जन्म हुआ। भगवान शिव की तपस्या के बाद जन्मे इस बालक को बचपन में नाम मिला नरेन्द्रनाथ दत्त। जिसको प्रेम से परिवार के लोग नरेन के नाम से बुलाते थे। संन्यास दीक्षा के बाद नरेन स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुए। 11 सितंबर, 1893 को शिकागो (अमेरिका) में आयोजित कार्यक्रम के ऐतिहासिक भाषण से यह संत संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध हो गया। स्वामी जी का यह भाषण हिंदू धर्म की विशेषताओं एवं मान्यताओं को विश्व भर में पुर्नप्रतिष्ठित करने में सफल हुआ।

गुलामी के कालखंड में भारतीय समाज में स्वाभिमान जगाने का कार्य उनके द्वारा हुआ। उनके इस प्रयास का परिणाम हुआ कि स्वतंत्रता के आंदोलन में सक्रिय सेनानियों की प्रेरणा के केंद्र स्वामी विवेकानंद बन गए। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अपने जीवन की घटना का उल्लेख किया, "मैंने स्वामी विवेकानंद से शक्ति देने के लिए कहा ताकि मैं अपनी मातृभूमि को स्वतंत्र कर सकूं।" अस्पृश्यता निवारण, अशिक्षा को दूर करना, उद्योगों का विकास एवं महिला उत्थान जैसे अनेक विषयों पर उन्होंने भारत के विकास की नई दृष्टि दी, जो आज भी हमारे लिए प्रेरक मार्गदर्शन है। भोग-विलासिता एवं सांप्रदायिकता के संघर्ष में फंसे वैश्विक समुदाय को भी उन्होंने विश्व शांति का मार्ग दिखाया। स्वामी जी भक्ति के साथ भारत के आधुनिक विकास के अद्भुत संगम थे।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर स्वामी विवेकानंद के विचारों की गहरी अमिट छाप दिखाई देती है। अपने विद्यार्थी काल में ही नरेन्द्र मोदी जी रामकृष्ण मिशन (राजकोट) से जुड़ गए थे।

राजकोट शाखा के तत्कालीन प्रमुख स्वामी आत्मस्थानंद जी से उन्होंने संन्यास दीक्षा की इच्छा भी व्यक्त की थी। स्वामी आत्मास्थानंद जी ने ही उन्हें समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। यह प्रेरणा ही प्रधानमंत्री जी के लिए गरीब कल्याण एवं स्वाभिमानी समृद्ध भारत गढ़ने की प्रेरणा बन गई। रामकृष्ण मिशन के साथ उनका संबंध आज भी जीवंत बना है।

स्वामी विवेकानंद गुलामी की मानसिकता के संबंध में कहते हैं, "परतंत्रता रूपी इस अंधकार ने भारत के स्वाभिमान को ऐसा ग्रहण लगाया कि भारतवासी अपना आत्मविश्वास ही खो बैठे।" आत्महीनता का परिणाम यह हुआ कि हमको हमारे महापुरुष, इतिहास, ज्ञान, कला एवं संस्कृति सभी में दोष देखने की प्रवृत्ति एवं विदेशी नकल को आधुनिकता का पर्याय मान लिया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने भाषण में 15 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प दोहराया। अमृत काल की इस बेला में उन्होंने प्रत्येक भारतीय को पंच प्रण का पालन करने का आग्रह किया। जिसमें भारतीय समाज को सभी प्रकार की गुलामी छोड़ने का भी प्रण

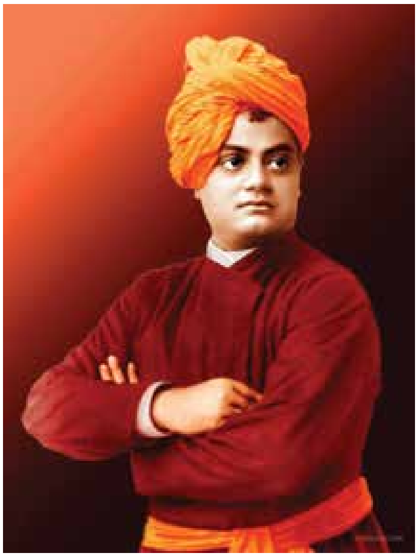

था। 22 जनवरी, 2024 को श्रीराम मंदिर में भगवान श्रीराम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा इसी स्वाभिमान को जगाने के अनेक प्रयासों में से एक है।

स्वामी विवेकानंद शिक्षा द्वारा मनुष्य की लौकिक एवं पारलौकिक दोनों प्रकार की उन्नति चाहते थे। उनकी इच्छा थी कि पाठ्यक्रम में आधुनिक विषयों के साथ-साथ स्वास्थ्य, राष्ट्र सेवा जैसे विषय शामिल हों। नई शिक्षा नीति के माध्यम से सभी नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा एवं भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने का संकल्प स्वामी जी के विचारों का शिक्षा में प्रकट रूप है।

स्वामी विवेकानंद जी गरीबों की पीड़ा को देखकर बहुत व्यथित थे। अमेरिका के वैभव से भारत की गरीबी की तुलना करते हुए वह रात्रि भर रोते रहे। इसी पीड़ा को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा था कि अब

शेष पृष्ठ 30 पर...

युवा पीढ़ी के सामर्थ्य का संदेश देता है 'वीर बाल दिवस'

साहिबजादों की शहादत को सम्मान देने वाले पहले प्रधानमंत्री हुए नरेन्द्र मोदी जी

तरुण चुघ

26 दिसंबर, 2022 को जब पहली बार भारत में वीर बाल दिवस के रूप में मनाया गया तो पूरे देश को पता चला कि देश और धर्म की रक्षा के लिए कुर्बानी देने के लिए गुरु गोविंद सिंह जी को कितना बड़ा त्याग करना पड़ा था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्र साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी एवं बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को चिह्नित करने के लिए 'वीर बाल दिवस' की घोषणा की, तो पूरे देश में प्रधानमंत्री मोदीजी के प्रति सम्मान का भाव जगा। 'वीर बाल दिवस' पर हम साहिबजादों और माता गुजरी जी और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहस को भी याद करते हैं। साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह गुरु गोबिंद सिंह जी के चार पुत्र थे।

इतिहास की यह घटना आज भी हमें मर्माहत करती है कि धर्म की रक्षा के लिए चारों साहिबजादों को बलिदान देना पड़ा, जो सर्वोच्च बलिदान के रूप में अंकित हो गई।

वीर बाल दिवस 'साहिबजादों' के सम्मान में मनाया जाता है। अंतिम सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के चार पुत्रों में यह तारीख सबसे छोटे साहिबजादे के बलिदान को चिह्नित करने के लिए चुनी गई थी। 26 दिसंबर को छह और नौ साल की उम्र में साहिबज़ादों ज़ोरावर सिंह और फ़तेह सिंह के बलिदान का दिन मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदीजी की घोषणा के बाद पहलीबार 'वीर बाल दिवस' के सम्मान में ऐतिहासिक कार्यक्रम दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में किया गया। इस ऐतिहासिक तिथि के माध्यम से छोटे बच्चों को साहिबजादों की वीरता की कहानी के बारे में अवगत कराने के साथ ही देश के युवा और बालकों के साहस और सामर्थ्य पर गर्व करने का संदेश दिया गया।

पहला 'वीर बाल दिवस' जिस बलिदान को हम पीढ़ियों से याद करते आए हैं, उसे एकजुट होकर नमन करने की एक नई शुरुआत थी। शहीदी सप्ताह और ये 'वीर बाल दिवस' सिख परंपरा के लिए भावों से भरे होने के साथ ही अनंत प्रेरणाएं भी जुड़ी हुई हैं। 'वीर बाल दिवस' हमें प्रेरित करता है कि शौर्य के सामने आयु मायने नहीं रखती। 'वीर बाल दिवस' भारत की पहचान कराते हुए अपने अतीत को जानने और सामर्थ्यवान भविष्य का निर्माण करने की प्रेरणा देता है।

भारत की युवा पीढ़ी का सामर्थ्य क्या है? भारत की युवा पीढ़ी ने कैसे अतीत में देश की रक्षा की है? अंधकार से हमारी युवा पीढ़ी ने भारत को कैसे बाहर निकाला है? 'वीर बाल दिवस' आने वाले समय के लिए यही उद्‌घोष करता है।

क्रूरता और खौफ के सामने अकेले होकर भी निडर खड़े गुरु के वीर साहिबजादे न तो किसी धमकी से डरे और न ही किसी के सामने झुके। जोरावर सिंह साहब और फतेह सिंह साहब को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया। एक ओर नृशंसता ने अपनी सभी सीमाएं तोड़ दीं, तो दूसरी ओर धैर्य, शौर्य, पराक्रम के भी सभी प्रतिमान टूट गए। साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह ने भी बहादुरी की वो मिसाल कायम की, जो सदियों को प्रेरणा दे रही है। जिस देश की ऐसी विरासत हो, जिसका ऐसा इतिहास हो, उसमें स्वाभिमान और आत्मविश्वास का होना स्वाभाविक है।

आजादी के अमृतकाल में देश को 'गुलामी की मानसिकता से मुक्ति' का

प्रधानमंत्री मोदी जी ने वीर बाल दिवस मनाने की शुरुआत की, जिसमें हमारे लिए एक बड़ा संदेश छिपा हुआ है। आज जब भारत के युवा देश को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए निकल पड़े हैं तो 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस की भूमिका और भी अहम हो गई है। सिख गुरु परंपरा केवल आस्था और आध्यात्म की परंपरा नहीं है। ये 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विचार का भी प्रेरणाश्रोत है।

भारत की भावी पीढ़ी कैसी होगी? यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि वह प्रेरणा किससे ले रही है? साहिबजादों ने जितना त्याग बड़ा बलिदान किया, ऐसा उदाहरण दुनिया के किसी देश में नहीं मिलता है। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में अब नया भारत दशकों पूर्व हुई पुरानी भूलों को सुधार रहा है।

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसके सिद्धांतों, मूल्यों और आदर्शों से होती है। हमने इतिहास में देखा है जब किसी राष्ट्र के मूल्य बदल जाते हैं, तो कुछ ही समय में उसका भविष्य भी बदल जाता है और ये मूल्य सुरक्षित तब रहते हैं, जब वर्तमान पीढ़ी के सामने अपने अतीत के आदर्श स्पष्ट होते हैं। युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रेरणा और आदर्श की आवश्यकता होती है। युवा पीढ़ी को सीखने और प्रेरणा लेने के लिए महान व्यक्तित्व वाले नायकों के इतिहास की जानकारी की जरूरत होती है।

आज़ादी के अमृत काल में देश स्वाधीनता संग्राम के इतिहास को पुनर्जीवित करने के लिए प्रयास कर रहा है। हमारे स्वाधीनता सेनानियों के, वीरांगनाओं के, आदिवासी समाज के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम सब काम कर रहे हैं। 'वीर बाल दिवस' जैसी ऐतिहासिक तिथि भी इस दिशा में प्रभावी प्रकाश स्तम्भ की भूमिका निभाएगी।

हमें साथ मिलकर वीर बाल दिवस के संदेश को देश के कोने-कोने तक लेकर जाने की आवश्यकता है, ताकि देश के लोग अपने इस त्याग और बलिदान के इतिहास को जानें, लोग अपने पूर्वजों के साहस और शौर्य को जानें। इसी कड़ी में हमारे चारों साहिबजादों के जीवन का संदेश देश के हर बच्चे तक पहुंचें और वे उनसे प्रेरणा लेकर देश के लिए समर्पित नागरिक बनें। हमारे ये आदर्श, प्रेरणा और संदेश समर्थ और विकसित भारत के हमारे लक्ष्य को नई ऊर्जा देंगे। वीर बाल दिवस पर वीर साहिबजादों के चरणों में नमन! ■

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

... पृष्ठ २८ का शेष

हमारा एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए कि 'दरिद्र देवो भव'। स्वामी जी ने भारत की उन्नति का घोषणा पत्र ही जैसे लिखा हो, उन्होंने कहा, "इस देश को उठने दो गरीबों की झोपड़ी से, मल्लाह की नौकाओं से, लोहार की भट्ठियों से, किसानों के खेत-खलिहानों से, मोचियों की झोपड़ी से, गिरिकन्दराओं से, यह देश तो वहीं बसता है।" प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस घोषणा पत्र को साकार रूप देना प्रारंभ किया। समाज के अलग-अलग वर्ग के गरीबों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की।

स्वच्छता अभियान, उज्ज्वला योजना, प्रत्येक गांव को विद्युत आपूर्ति के लिए उजाला योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन आदि अनेक योजनाएं गरीब उत्थान के लिए मील का पत्थर साबित हुई। 4 करोड़ से अधिक परिवार को आवास देना, 1 करोड़ 36 लाख युवाओं को कौशल विकास विभाग रोजगार उपलब्धि का माध्यम बना। 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह अन्न पहुंचाना, गरीब की रोटी की समस्या का समाधान है। गरीब की रोटी के विषय पर स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि "गरीब को पहले रोटी दो, तब गीता सुनाओ क्योंकि उसकी आवश्यकता रोटी है।"

समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हमारे छोटे–छोटे शिल्पकार जिसको प्रधानमंत्री जी ने भारत का निर्माण करने वाले विश्वकर्मा कहा। इसमें बढ़ई, लोहार, सोनार, सुतार, कुम्हार, मूर्तिकार, मोची, धोबी आदि श्रेणी के लोग आते हैं। ऐसे वर्ग के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से 30 लाख परिवारों को लगभग 1.5 करोड़ लोगों को सहायता मिलेगी।

देश में ठेला लगाकर एवं रेहड़ी पट्टी के माध्यम से बेचने वाले वेंडर जैसे लघु उद्योगों के माध्यम से जीवन-यापन करने वाले लोगों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराकर उसके घर में रोशनी पहुंचने का कार्य किया है।

शिकागो धर्म सभा के अवसर पर अपने भाषण में शिव महिमा स्त्रोत से एक मंत्र को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा था–

रुचीनां वैचित्र्यादृजुकुटिल नानापथजुषां।
नृणामेको गम्यस्त्वमसि पयसामर्णव इव।।

समस्त धर्मों में एक ही परमात्मा का दर्शन एवं सबका लक्ष्य एक ही गंतव्य है, यह भाव उन्होंने व्यक्त किया था। संपूर्ण विश्व में योग की प्रतिष्ठा, कोरोना में 'जान भी जहान भी' के आधार पर विश्व को सहायता, G-20 में 'वसुधैव कुटुंबकम' का आदर्श वाक्य यह स्वामी विवेकानंद जी द्वारा प्रस्तुत विचारों का प्रकटीकरण है।

स्वामी विवेकानंद जी का यह आह्वान "उठो जागो और अपने लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको" को नरेन्द्र मोदी जी ने अपने जीवन का आदर्श मान लिया है। बिना रुके, बिना थके यह कर्मयोद्धा उत्तिष्ठत भारत के लक्ष्य प्राप्ति में लगा है। हम सभी भारतवासी स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपने कदम-ताल मिलाए एवं अमृत काल में भारत को समृद्ध, सुरक्षित, गौरवयुक्त, स्वाभिमानी भारत बनाकर विश्व का तमस हटाने का संकल्प ले। स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस पर यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं)

भारत की उपलब्धियां, हर भारतवासी की उपलब्धि है: नरेन्द्र मोदी

इसी साल 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पास हुआ, जिसकी प्रतीक्षा बरसों से थी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 108वीं कड़ी में कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की ताकत है कि इस वर्ष हमारे देश ने कई विशेष उपलब्धियां हासिल की हैं। इसी साल 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पास हुआ, जिसकी प्रतीक्षा बरसों से थी। बहुत सारे लोगों ने पत्र लिखकर भारत के 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि आज भी कई लोग मुझे चंद्रयान-3 की सफलता को लेकर सन्देश भेजते रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भी हमने मिलकर प्रयास किया, हमारे देश की विकास यात्रा पर बहुत सकारात्मक प्रभाव हुआ। हमने 'आजादी का अमृत महोत्सव' और 'मेरी माटी मेरा देश' ऐसे सफल अभियान का अनुभव किया। इसमें करोड़ों लोगों की भागीदारी के हम सब साक्षी हैं। 70 हज़ार अमृत सरोवरों का निर्माण भी हमारी सामूहिक उपलब्धि है।

श्री मोदी ने 31 दिसंबर को प्रसारित 'मन की बात' के दौरान कहा कि भारत की उपलब्धियां, हर भारतवासी की उपलब्धि है। हमें पंच प्राणों का ध्यान रखते हुए भारत के विकास के लिए निरंतर जुटे रहना है। हम कोई भी काम करें, कोई भी फैसला लें, हमारी सबसे पहली कसौटी यही होनी चाहिए कि इससे देश को क्या मिलेगा, इससे देश का क्या लाभ होगा। 'राष्ट्र प्रथम' इससे बड़ा कोई मंत्र नहीं। इसी मंत्र पर चलते हुए हम भारतीय अपने देश को विकसित बनाएंगे, आत्मनिर्भर बनाएंगे।

> **'राष्ट्र प्रथम' इससे बड़ा कोई मंत्र नहीं। इसी मंत्र पर चलते हुए हम भारतीय अपने देश को विकसित बनाएंगे, आत्मनिर्भर बनाएंगे**

अयोध्या में राम मंदिर को लेकर पूरे देश में उत्साह

श्री मोदी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर को लेकर पूरे देश में उत्साह है, उमंग है। लोग अपनी भावनाओं को अलग अलग तरह से व्यक्त कर रहे हैं। आपने देखा होगा, बीते कुछ दिनों में श्री राम और अयोध्या को लेकर कई सारे नए गीत, नए भजन, बनाये गए हैं। बहुत से लोग नई कविताएं भी लिख रहे हैं। इसमें बड़े-बड़े अनुभवी कलाकार भी हैं, तो नए उभरते युवा साथियों ने भी मन को मोह लेने वाले भजनों की रचना की है।

उन्होंने कहा कि कुछ गीतों और भजनों को तो मैंने भी अपने सोशल मीडिया पर साझा किया है। ऐसा लगता है कि कला जगत अपनी अनूठी शैली में इस ऐतिहासिक क्षण का सहभागी बन रहा है।

सावित्रीबाई फुले और रानी वेलु नाचियार

श्री मोदी ने कहा कि हमारी भारतभूमि को हर कालखंड में देश की विलक्षण बेटियों ने गौरव से भर दिया है। सावित्रीबाई फुले जी और रानी वेलु नाचियार जी देश की ऐसी ही दो विभूतियां हैं। उनका व्यक्तित्व ऐसे प्रकाश स्तम्भ की तरह है, जो हर युग में नारी शक्ति को आगे बढ़ाने का मार्ग दिखाता रहेगा। आज से कुछ ही दिनों बाद 3 जनवरी को हम सभी इन दोनों की जन्म-जयंती मनाएंगे।

उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले जी का नाम आते ही सबसे पहले शिक्षा और समाज सुधार के क्षेत्र में उनका योगदान हमारे सामने आता है। वे हमेशा महिलाओं और वंचितों की शिक्षा के लिए जोरदार तरीके से आवाज उठाती रहीं। वे अपने समय से बहुत आगे थीं और उन गलत प्रथाओं के विरोध में हमेशा मुखर रहीं। शिक्षा से समाज के सशक्तीकरण पर उनका गहरा विश्वास था।

श्री मोदी ने कहा कि महात्मा फुले जी के साथ मिलकर उन्होंने बेटियों के लिए कई स्कूल शुरू किए। उनकी कविताएं लोगों में जागरूकता बढ़ाने और आत्मविश्वास भरने वाली होती थीं। लोगों से हमेशा उनका यह आग्रह रहा कि वे जरुरत में एक-दूसरे की मदद करें और प्रकृति के साथ भी समरसता से रहें। वे कितनी दयालु थीं, इसे शब्दों में नहीं समेटा जा सकता। जब महाराष्ट्र में अकाल पड़ा, तो सावित्रीबाई और महात्मा फुले ने जरुरतमंदों की मदद के लिए अपने घरों के दरवाजे खोल दिए। सामाजिक न्याय का ऐसा उदाहरण विरले ही देखने को मिलता है।

उन्होंने कहा कि विदेशी शासन के खिलाफ़ संघर्ष करने वाली देश की कई महान विभूतियों में से एक नाम रानी वेलु नाचियार का भी है। तमिलनाडु के मेरे भाई-बहन आज भी उन्हें वीरा मंगई यानी वीर नारी के नाम से याद करते हैं। अंग्रेजों के खिलाफ़ रानी वेलु नाचियार जिस बहादुरी से लड़ीं और जो पराक्रम दिखाया, वो बहुत ही प्रेरित करने वाला है। ■

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं का किया उद्‌घाटन व शिलान्यास

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो जनवरी को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्‌घाटन, राष्ट्र को समर्पित और शिलान्यास किया। विकास परियोजनाओं में तमिलनाडु में रेल, सड़क, तेल और गैस तथा पोत परिवहन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए सभी के लिए एक सार्थक और समृद्ध नए वर्ष की शुभकामनाएं व्यक्त की और इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि 2024 में उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम तमिलनाडु में हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज की 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं तमिलनाडु की प्रगति को सुदृढ़ बनाएंगी।

श्री मोदी ने सड़क, रेल, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, ऊर्जा और पेट्रोलियम पाइपलाइनों के क्षेत्रों में फैली परियोजनाओं के लिए राज्य के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इनमें से अनेक परियोजनाएं आवाजाही को प्रोत्साहित करेंगी और राज्य में रोजगार के हजारों अवसर भी पैदा करेंगी।

प्रधानमंत्री ने दोहराया कि अगले 25 वर्षों के लिए आजादी का अमृत काल भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विकसित भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक दोनों पहलुओं का उल्लेख किया और रेखांकित किया कि तमिलनाडु भारत की समृद्धि और संस्कृति का प्रतिबिंब है।

श्री मोदी ने तिरुचिरापल्ली की समृद्ध विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि यहां हमें पल्लव, चोल, पांड्य और नायक जैसे राजवंशों के सुशासन मॉडल के अवशेष मिलते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी विदेश यात्रा के दौरान किसी भी अवसर पर तमिल संस्कृति का उल्लेख करते हैं।

श्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों में सड़क मार्ग, रेल, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, गरीबों के लिए घर और अस्पताल जैसे क्षेत्रों में भारत द्वारा किए गए भारी निवेश की जानकारी दी और भौतिक अवसंरचना पर सरकार के बल को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत विश्व की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है, जहां यह विश्व के लिए आशा की किरण बन गया है।

श्री मोदी ने केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु पर रिकॉर्ड खर्च किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले के दशक में राज्यों को 30 लाख करोड़ रुपये दिए गए थे, जबकि पिछले 10 वर्ष में राज्यों को 120 लाख करोड़ रुपये दिए गए। तमिलनाडु को भी 2014 से पहले के 10 वर्षों की तुलना में इस अवधि में 2.5 गुना अधिक धन मिला है। ■

लक्षद्वीप में 1150 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्‌घाटन और शिलान्यास

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तीन जनवरी को लक्षद्वीप के कवरत्ती में 1150 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्‌घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया। आज की विकास परियोजनाएं प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, जल संसाधन, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं। प्रधानमंत्री ने लैपटॉप योजना के तहत छात्रों को लैपटॉप दिए और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के तहत स्कूली छात्राओं को साइकिलें दीं। उन्होंने किसान और मछुआरें लाभार्थियों को पीएम किसान क्रेडिट कार्ड भी सौंपे।

श्री मोदी ने दूरदराज, सीमावर्ती या तटीय और द्वीप क्षेत्रों की लंबे समय से उपेक्षा का संकेत दिया। उन्होंने कहा, "हमारी सरकार ने ऐसे क्षेत्रों को हमारी प्राथमिकता बनाया है।" उन्होंने बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, पानी, स्वास्थ्य और बाल देखभाल से संबंधित परियोजनाओं के लिए क्षेत्र के लोगों को बधाई दी।

श्री मोदी ने हज यात्रियों के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र किया, जिससे लक्षद्वीप के लोगों को भी फायदा हुआ है। उन्होंने हज वीज़ा के लिए आसानी और महिलाओं के लिए 'मेहरम' के बिना हज पर जाने की वीज़ा और अनुमति की प्रक्रिया के डिजिटलीकरण का उल्लेख

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

किया। श्री मोदी ने कहा, "इन प्रयासों से 'उमरा' के लिए जाने वाले भारतीयों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।"

- एक परिवर्तनगामी कदम के तहत प्रधानमंत्री ने कोच्चि-लक्षद्वीप द्वीप समूह सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर कनेक्शन (केएलआई-एसओएफसी) परियोजना की शुरुआत करके लक्षद्वीप में धीमी इंटरनेट गति वाली कमी को दूर करने का संकल्प लिया था, जिसकी घोषणा 2020 में लाल किले में स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान की गई थी। यह परियोजना अब पूरी हो चुकी है और इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया था। इससे इंटरनेट स्पीड 100 गुना से ज्यादा (1.7 जीबीपीएस से 200 जीबीपीएस तक) बढ़ जाएगी।
- समर्पित पनडुब्बी ओएफसी लक्षद्वीप द्वीपों में संचार बुनियादी ढांचे में एक आदर्श बदलाव सुनिश्चित करेगी, जिससे तेज और अधिक विश्वसनीय इंटरनेट सेवाएं, टेलीमेडिसिन, ई-गवर्नेंस, शैक्षिक पहल, डिजिटल बैंकिंग, डिजिटल मुद्रा उपयोग, डिजिटल साक्षरता आदि सक्षम होंगी। ■

केरल की बेटियों ने भारत की स्वतंत्रता, संस्कृति एवं संविधान को आकार दिया है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 दिसंबर को केरल का दौरा किया। अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने केरल के थेक्किंकडु में स्त्री शक्ति मोदीकोप्पम कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, "केरल का त्रिशूर पूरम उत्सव विश्व प्रसिद्ध है और केरल के सार को प्रदर्शित करता है।"

नारी शक्ति के प्राधान्य को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "वेलु नचियार और सावित्रीबाई फुले जैसी महिलाएं भारत की शक्तिशाली नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं।" केरल की बेटियों को लेकर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "केरल की बेटियों ने भारत की आजादी, संस्कृति और संविधान को आकार दिया है।" उन्होंने कहा कि भागीरथी अम्मा, अंजू बॉबी जॉर्ज और पीटी उषा समेत केरल की कई बेटियों ने भारत का मान बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आगे कहा, "भारत की नारी शक्ति विकसित भारत के लिए 'संकल्प से सिद्धि' को सुनिश्चित करेगी"। एलडीएफ-यूडीएफ पर प्रहार करते हुए श्री मोदी ने कहा, "एलडीएफ-यूडीएफ की राजनीति हमेशा नारी शक्ति को कमजोर करने की रही है।" उन्होंने कहा कि हमने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और 'तीन तलाक' पर रोक लगाने वाले अधिनियमों को पारित कर नारी शक्ति को सशक्त बनाने की गारंटी दी है। विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को दोहराते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "हम नारी शक्ति को सशक्त कर एक विकसित भारत बनाने का इरादा रखते हैं"।

भारत में चार जातियों पर बोलते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "भारत में नारी शक्ति, युवा, किसान और गरीब ही चार जातियां हैं।" उन्होंने कहा कि सरकार सभी के सशक्तीकरण के लिए प्रयासरत है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "केरल में एलडीएफ-यूडीएफ सरकारों का इरादा अपने लोगों को सही विकास से वंचित करना है।" उन्होंने कहा, "पिछले दस वर्षों में एनडीए ने सभी की प्रगति को लेकर काम किया है और अंतिम व्यक्ति तक अपनी योजनाओं की पहुंच को सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है।" ■

ने 03 जनवरी, 2024 को लक्षद्वीप के शांत व नैसर्गिक समुद्री तटों का दौरा किया

कैबिनेट ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की व्यापक योजना 'पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी)' को दी मंजूरी

परियोजना की कुल लागत 3,064.45 करोड़ रुपये है, जिसमें 2,233.81 करोड़ रुपये की सिविल निर्माण लागत शामिल है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 जनवरी को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की व्यापक योजना 'पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी)' को 2021-26 की अवधि के दौरान कार्यान्वित किये जाने की मंजूरी दे दी। योजना की कुल लागत 4,797 करोड़ रुपये है। इस योजना में वर्तमान में चल रही पांच उप-योजनाएं शामिल हैं— 'वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-प्रारूप निरीक्षण प्रणाली और सेवाएं (अक्रॉस)', 'महासागर सेवाएं, प्रारूप अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट)', 'ध्रुवीय विज्ञान और क्रायोस्फीयर अनुसंधान (पेसर, पीएसीईआर)', 'भूकंप विज्ञान और भूविज्ञान (सेज,एसएजीई)' और 'अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच (रीचआउट)'।

व्यापक पृथ्वी योजना के प्रमुख उद्देश्य

- पृथ्वी प्रणाली और परिवर्तन के महत्वपूर्ण संकेतों को रिकॉर्ड करने के लिए वायुमंडल, महासागर, भूमंडल, क्रायोस्फीयर और ठोस पृथ्वी के दीर्घकालिक निरीक्षणों का संवर्द्धन और रखरखाव
- मौसम, महासागर और जलवायु खतरों को समझने और भविष्यवाणी करने तथा जलवायु परिवर्तन के विज्ञान को समझने के लिए प्रारूप प्रणालियों का विकास
- नई घटनाओं और संसाधनों की खोज करने की दिशा में पृथ्वी के ध्रुवीय और उच्च समुद्री क्षेत्रों की खोज
- सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए समुद्री संसाधनों की खोज हेतु प्रौद्योगिकी का विकास और संसाधनों का सतत उपयोग
- पृथ्वी प्रणाली विज्ञान से प्राप्त ज्ञान और अंतर्दृष्टि को सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ के लिए सेवाओं के रूप में परिणत करना ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)............................ (2)..............................

ईमेल : ....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :.............................. दिनांक :.............................. बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें
डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003
फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

नई दिल्ली में 25 दिसंबर, 2023 को क्रिसमस के अवसर पर ईसाई समुदाय के एक कार्यक्रम में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

विज्ञान भवन (नई दिल्ली) में 25 दिसंबर, 2023 को पंडित मदन मोहन मालवीय की 162वीं जयंती पर उनकी रचनावली का विमोचन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

भारत मंडपम (नई दिल्ली) में 26 दिसंबर, 2023 को 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

30 दिसंबर, 2023 को अयोध्या (उत्तर प्रदेश) अपने आगमन पर जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु) में 02 जनवरी, 2024 को विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कावारत्ती (लक्षद्वीप) में 03 जनवरी, 2024 को विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 14 जनवरी, 2024
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह